NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

विजडम इंडिया

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 16 अंक: 18 लखनऊ, मंगलवार 08 सितंबर 2026 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

भारत-चीन की बैठक में फैसला, शुरू होगी 2 नई हाटलाइन

एजेंसी।

दिल्ली। बैठक कोर कमांडर स्तर के अधिकारियों के बीच हुई है। इससे पहले भी भारत और चीन के कोर कमांडरों की बैठक

होती रही है। लेकिन वह तमाम बैठकें लद्दाख में हुआ करती थी। इस बार यह बैठक अरुणाचल प्रदेश के उस सेक्टर में हुई है। अरुणाचल प्रदेश की बर्फीली चोटियों के बीच एलएसी पर भारत और चीन संबंधों को लेकर एक बड़ी हलचल देखने को मिली है। जहां पर नई दिल्ली में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में जहां खुद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आने की संभावनाएं हैं। उससे ठीक पहले ही भारतीय सेना और चीन की पीएलए के बीच एक अहम बैठक देखने को मिली है। यह बैठक कोर कमांडर स्तर के अधिकारियों के बीच हुई है। इससे पहले भी भारत और चीन के कोर कमांडरों की बैठक होती रही है। लेकिन वह तमाम बैठकें लद्दाख में हुआ करती थी। इस बार यह बैठक अरुणाचल प्रदेश के उस सेक्टर में हुई है। जहां से पिछले कुछ समय में तनाव की खबरें भी हैं। दरअसल भारत और चीन के बीच अब तक कोर कमांडर सर की ज्यादातर बैठकें लद्दाख के चुशूल और मोल्डो पॉइंट पर होती थी। लेकिन इस बार इतिहास में पहली बार अरुणाचल प्रदेश के वाचा दमाई बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर यह उच्च स्तरीय वार्ता हुई है। इस बैठक का नेतृत्व भारतीय सेना की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने किया जो कि नागालैंड के दीमापुर स्थित थ्री कोर यानी कि स्पेयर कॉप्स के कमांडर है। यह वही कोर है जो अरुणाचल के संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालती है। वहीं चीन की ओर से भी कोर कमांडर सर के अधिकारी इस बैठक में मौजूद रहे। यह जो बातचीत है यह ऐसे समय में हुई है जब अरुणाचल के दक्षिण जैसे दूरदराज के इलाके में दोनों सेनाओं के बीच तनातनी की खबरें हैं। साथ ही में 12 और 13 सितंबर को दिल्ली में 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। जहां पर शी जिनपिंग के भारत आने की संभावनाएं हैं। और हाल ही में बीजिंग में दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों के बीच 25वें दौर की बातचीत भी हुई थी। जहां पर खुद एनएसए अजीत डोवाल पहुंचे थे। उन्होंने चीनी विदेश मंत्री के साथ मुलाकात की थी। जिसमें सीमा प्रबंधन सुधारने के आठ बिंदुओं पर दोनों देशों के बीच सहमति बनी थी और अब यह कोर कमांडर स्तर की बैठक भी अरुणाचल प्रदेश में अंजाम दी गई है। इस बड़ी बैठक के बाद जो सबसे बड़ा नतीजा लिया गया है वो यह है कि दो नई मिलिट्री हॉटलाइंस को स्थापित किया जाएगा। सीमा पर अक्सर गलतफहमी के कारण विवाद बढ़ सकता है।

योगी सरकार की नई व्यवस्था, आउटसोर्स कर्मचारियों के हिता मे बिचौलियों की मनमानी होगी खत्म!

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यूपीसीओएस पोर्टल लॉन्च किया है। इस व्यवस्था से बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी और पारदर्शी भर्ती, समय पर वेतन व सामाजिक सुरक्षा लाभ सुनिश्चित होंगे। इससे राज्य के लगभग 3.5 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों और उनके परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2 सितंबर को श्उत्तर प्रदेश आउटसोर्स्ड सर्विसेज कॉर्पोरेशनश (UPCO) पोर्टल और वेबसाइट लॉन्च की। यह राज्य–स्तरीय, गैर–लाभकारी संगठन है जिसे आउटसोर्स किए गए कर्मचारियों के अधिकारों को विनियमित करने और उनकी सुरक्षा के लिए बनाया गया है। योगी आदित्यनाथ ने UPCO लॉन्च करते हुए कहा कि सिस्टम में बिचौलियों की कोई जगह नहीं होगी। उन्होंने दावा किया कि इससे राज्य के 3.5 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों और उनके

परिवारों को फायदा होगा और उनके हितों की रक्षा होगी। मुख्यमंत्री ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य के साथ न्च्बै पोर्टल और वेबसाइट लॉन्च की और इसका लोगो भी जारी किया।राज्य कैबिनेट ने पिछले साल सितंबर में आउटसोर्सिंग सिस्टम को ष्व्यवस्थितष करने के लिए इस कॉर्पोरेशन के गठन को मंजूरी दी थी। आदित्यनाथ ने कहा कि इस कॉर्पोरेशन से आउटसोर्स कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों समेत 17–20 लाख लोगों को फायदा होगा। न्च्बै का मकसद पारदर्शी तरीके से भर्ती करना, समय पर सीधे सैलरी का भुगतान सुनिश्चित करना और एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड (EPF) व एम्प्लॉइज स्टेट इंश्योरेंस (ESI) जैसे सोशल सिक्योरिटी बेनिफिट्स देना है। योगी ने बताया कि अब से सरकारी विभाग, आउटसोर्सिंग एजेंसियां घ्और कर्मचारी एक पारदर्शी और टेक्नोलॉजी–आधारित सिस्टम से जुड़ेंगे, जिससे मैनपावर की जरूरत का आकलन किया जा सकेगा और उसी के अनुसार ह्यूमन रिसोर्स प्लानिंग की जा सकेगी।क्या होगा फायदामुख्यमंत्री के मुताबिक भर्ती प्रक्रिया ऑनलाइन और पारदर्शी होगी, जो योग्यता और मेरिट पर आधारित होगी और राज्य सरकार की आरक्षण नीतियों के अनुसार होगी। भर्ती, पोस्टिंग, हाजिरी, वेतन, ग्रेच्युटी, इंश्योरेंस और सर्विस से जुड़े फायदों की डिजिटल निगरानी भी की जाएगी। अब कर्मचारी अपनी सर्विस से जुड़ी जानकारी, अकाउंट, हाजिरी, पेमेंट और कटौती वगैरह एक ही जगह पर देख सकेंगे। वे पोर्टल पर शिकायत भी दर्ज करा सकेंगे और उसका समय पर समाधान पा सकेंगे। हर कर्मचारी के लिए उनकी कैटेगरी और शैक्षणिक योग्यता के हिसाब से वेतन भी सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार ESI अस्पतालों में मुफ्त इलाज के लिए ESI योगदान देगी। अगर वहाँ इलाज की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी, तो उसे आयुष्मान भारत से जोड़ा जाएगा। इससे आउटसोर्स किए गए कर्मचारियों और उनके परिवारों को 5 लाख रुपये का हेल्थ इंश्योरेंस कवर भी मिलेगा। मैटरनिटी लीव समेत सर्विस से जुड़े सभी जरूरी फायदे भी सुनिश्चित किए जाएँगे।चुनाव से पहले एक मास्टरस्ट्रोकचुनाव से पहले अगर उत्तर प्रदेश में इसे लागू कर दिया जाता है तो यह सरकार की बड़ी कामयाबी होगी। इतना ही नहीं, यह सत्तारूढ़ पार्टी के लिए चुनावी मौसम में फायदे का सौदा भी बन सकता है। इसका बड़ा कारण यह है कि वर्तमान में इसे लागू करने के साथ ही लगभग 3.5 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों को इसका सीधे लाभ मिलेगा। उनके परिवारों को जोड़कर देखा जाए तो कम से कम यह लाभ 17 से 20 लाख लोगों तक पहुंच सकता है। कई बार हमने देखा है कि आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्या का एक बड़ा हिस्सा एजेंसी और सरकारी विभाग के बीच फंस कर रह जाती है जिसकी वजह से कर्मचारी अपने विभाग में काम तो करते हैं लेकिन भुगतान के समय उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके लागू हो जाने के बाद आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए सबसे बड़ी राहत भुगतान को लेकर है। सरकार ने साफ कहा है कि 1 से 5 तारीख के बीच सीधे बैंक खाते में पारिश्रमिक भेजने की पूरी व्यवस्था की जाएगी। इसमें ईपीएफ और ईएसआई का भी अनुदान भी नियमित रूप से किया जाएगा। भले ही इससे संबंधित पोर्टल और वेबसाइट मुख्यमंत्री और सरकार के द्वारा लॉन्च कर दिया गया है। लेकिन इसे लागू करने में कई सारी समस्याएं सामने आ सकती हैं। इतने लोगों को एक साथ डिजिटल प्लेटफार्म पर लाना और उनके बीच समन्वय करना एक बड़ी चुनौती है। इसके साथ ही पुरानी और नई व्यवस्था की जटिलता को खत्म करना भी एक चुनौती है। भले ही सरकार ने इसका ऐलान कर दिया है लेकिन डैडमे और एजेंसियों पर आर्थिक बोझ पड़ सकता है। इसमें यह भी कहा गया है कि कोई भी कंपनी आउटसोर्सिंग कर्मचारी को मनमाने ढंग से नौकरी से नहीं निकाल सकती। लेकिन निगरानी समिति इसके लिए जरूरी है। जिला और मंडल स्तर पर यह समिति पक्षपात रहित काम करें, यह भी एक बड़ी चुनौती हो सकती है।

मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण
राजकीय संग्रहालय, डैम्पियर नगर, मथुरा

निजी पूंजी निवेश को प्रोत्साहन

प्रदेश के यशस्वी मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशन में उ.प्र. टाउनशिप नीति–2023 अंतर्गत 04 निजी विकासकर्ताओं को 280.64 एकड़ क्षेत्रफल के टाउनशिप का लाइसेन्स निर्गत किया गया। जिसके सापेक्ष जनपद में **रू. 1462 करोड़** का निवेश किया जा रहा है। इससे मथुरा की अवस्थापना सुविधाएं अधिक बेहतर और मजबूत होंगी।

फरवरी 2024 से सितंबर 2025 तक अवैध निर्माण के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही

- उ.प्र. नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 के अंतर्गत बिना मानचित्र स्वीकृत के अवैध निर्माण के विरुद्ध फरवरी 2024 से अब तक 690 नोटिस निर्गत की गयी।
- बिना मानचित्र स्वीकृत के अवैध निर्माण की नोटिस निर्गत उपरांत कार्य न रोके जाने पर उक्त समयांतर्गत 60 अवैध निर्माण पर सीलिंग की गई।
- 307 अवैध निर्माणों के विरुद्ध ध्वस्तीकरण आदेश पारित किए गए। जिसमें 85 का मौके पर ध्वस्तीकरण किया गया। साथ ही प्राधिकरण क्षेत्रांतर्गत 80 अवैध कॉलोनी का भी मौके पर ध्वस्तीकरण का क्रियान्चयन किया गया।
- प्राधिकरण क्षेत्रांतर्गत 59 अवैध निर्माणों के नोटिस के विरुद्ध शमन मानचित्र स्वीकृत किया गया, जिसमें 458.61 लाख रुपये का शमन शुल्क जमा कराया गया।

मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण क्षेत्रांतर्गत आम जनता से अपील की जाती है कि आवासीय, व्यावसायिक व अन्य किसी भी प्रकार के निर्माण करने से पूर्व प्राधिकरण से मानचित्र अवश्य स्वीकृत करायें। उ.प्र. सरकार द्वारा मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा मॉडल जोनिंग रेगुलेशंस 2025 लागू किया गया है। जिसमें मकान नक्शा पास की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और जन–उन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह छोटे भूखंड मालिकों, मध्यम वर्ग और छोटे व्यवसायियों के लिए राहतकारी है, साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सुनियोजित विकास को बढ़ावा देता है।
लक्ष्मी एन (उपाध्यक्ष, एम.वी.डी.ए.)

मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण प्रदेश का पहला प्राधिकरण है, जो लैंड पूलिंग स्कीम अंतर्गत समस्त प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए आम जनता को लॉटरी के माध्यम से भूखंड आवंटन कर दिया है।

हनुमत विहार आवास योजना
क्षेत्रफल – 26.643 हेक्टेअर
अवस्थापना सुविधाओं पर अनुमानित लागत – रू. 194.04 करोड़

गोविंद विहार आवास योजना
क्षेत्रफल – 26.912 हेक्टेअर
अवस्थापना सुविधाओं पर अनुमानित लागत – रू. 182.23 करोड़

मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना अंतर्गत प्रस्तावित टाउनशिप रहीमपुर फरह एवं छाता।

प्रस्तावित क्षेत्र– 94.276 हेक्टेअर • अनुमानित लागत– रू.665.00 करोड़

प्रस्तावित क्षेत्र– 117.295 हेक्टेअर • अनुमानित लागत– रू.1265.00 करोड़

आशीष कुमार सिंह (पी.सी.एस.)
सचिव
मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण, मथुरा

लक्ष्मी एन (आई.ए.एस.)
उपाध्यक्ष
मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण, मथुरा

नगेन्द्र प्रताप
आयुक्त आगरा
अध्यक्ष– मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण, मथुरा

मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण, मथुरा
राजकीय संग्रहालय, डैम्पियर नगर, मथुरा
Email: vcmvda2014@gmail.com | Website: www.mvdamathura.com
Follow us on

बिहार बाढ़ से 27 लाख प्रभावित, राहत शिविरों में पहुचे सीएम सम्राट चौधरी, पीड़ितों संग खाया खाना

एजेंसी। पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार बाढ़ प्रभावित वैशाली और सारण क्षेत्रों का दौरा कर राहत शिविरों और सामुदायिक रसोईघरों का निरीक्षण किया। उन्होंने पीड़ितों के साथ भोजन किया और अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। बाढ़ प्रभावितों को सहायता राशि और किसानों को फसल क्षति मुआवजा देने की घोषणा भी की गई, जिससे सरकार की त्वरित प्रतिक्रिया उजागर होती है। बिहार में नदियों का पानी ओवरफ्लो होने से 13 जिलों में बाढ़ आ गई है, जिससे लगभग 27 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री

सम्राट चौधरी ने सोमवार को अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने वैशाली और भागलपुर में बाढ़ पीड़ितों के लिए चल रही कम्युनिटी किचन्स का निरीक्षण भी किया। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ प्रभावित अलग–अलग जिलों में 190 कम्युनिटी किचन्स चलाई जा रही हैं, जबकि राहत और बचाव कार्यों के लिए 1,429 नावें लगाई गई हैं।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उनके डिप्टी विजय कुमार चौधरी ने वैशाली और भागलपुर में कम्युनिटी किचन्स का निरीक्षण किया और स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लगातार नदी के तटबंधों की निगरानी करें और संवेदनशील इलाकों पर कड़ी नजर रखें। उन्होंने सारण में भी कम्युनिटी किचन्स का निरीक्षण किया और लोगों को अपने हाथों से भोजन परोसा। इस दौरान सीएम ने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ खुद भी भोजन किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हर समस्या, हर कदम पर जनता के साथ हूँ!उन्होंने कहा कि वैशाली एवं सारण के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हाजीपुर एवं सोनपुर के राहत शिविरों का निरीक्षण किया। राहत शिविर में लोगों से संवाद कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया, स्वयं भोजन परोसा और उनके साथ भोजन भी किया। आपदा पीड़ितों को सहायता राशि भी दी गई एवं प्रभावित किसानों को फसल क्षति का समुचित मुआवजा दिया जाएगा। आमजन की सुरक्षा और राहत कार्यों में कोई कमी नहीं होने दी जाएगी।पटना में गांधी घाट और हाथीदह पर गंगा नदी के जलस्तर के बाढ़ के उच्चतम स्तर तक पहुँचने के बाद अधिकारियों ने नदी के निचले इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण नदियाँ उफान पर हैं और बिहार के 13 जिलों में बाढ़ आ गई है, जिससे 27 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। सितंबर में अब तक राज्य में 69.1 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 55 प्रतिशत ज़्यादा है।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में लखनऊ देश में प्रथम, वार्ड-70 भी राष्ट्रीय स्तर पर नंबर-1

लखनऊ(आरएनएस)। स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित गंगा ऑडिटोरियम, इंदिरा पर्यावरण भवन में आयोजित कार्यक्रम में लखनऊ ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की। सिटी लेवल स्वच्छ वायु सर्वेक्षण–2026 के तहत राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में लखनऊ को नेशनल लेवल बेस्ट परफॉर्मिंग सिटीज में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि के लिए लखनऊ को 1.50 करोड़ रुपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।इसके साथ ही लखनऊ नगर निगम के जोन–4 स्थित वार्ड संख्या 70 ने भी 30 हजार से अधिक आबादी वाले वार्डों की श्रेणी में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वार्ड–70 को नेशनल बेस्ट परफॉर्मिंग वार्ड प्रथम, श्रेणी–1 के रूप में चुना गया और इसके लिए 50 लाख रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।पुरस्कार ग्रहण करने के अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल, नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव तथा पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान उपस्थित रहे। लखनऊ को यह सम्मान राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार तथा मंत्रालय एवं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रदान किया गया।लखनऊ को यह उपलब्धि वायु प्रदूषण कम करने और शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए नगर निगम द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों के आधार पर मिली है। डोर–टू–डोर कूड़ा संग्रहण के लिए करीब 1,100 इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग किया जा रहा है। इनमें संकरी गलियों के लिए छोटे ई–ऑटो टिपर भी शामिल हैं। वाहनों की निगरानी जीपीएस के माध्यम से की जाती है और इसके लिए अलग नियंत्रण एवं कमान केंद्र बनाया गया है। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 12 चार्जिंग स्टेशन और 916 चार्जिंग प्वाइंट भी उपलब्ध कराए गए हैं।सड़क की धूल और प्रदूषण को कम करने के लिए शहर में 97 इलेक्ट्रिक यांत्रिक सफाई मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इनके माध्यम से प्रमुख सड़कों की सफाई के साथ पानी का छिड़काव भी किया जाता है। नगर निगम द्वारा 559.85 किलोमीटर सड़कों को अंतिम छोर तक पक्का किया गया है, जिससे सड़क से उड़ने वाली धूल में कमी आई है।कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में भी लखनऊ ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए 2,550 टन प्रतिदिन क्षमता विकसित की गई है और शत–प्रतिशत वैज्ञानिक कचरा प्रसंस्करण की व्यवस्था की गई है। ताजा कचरे की डंपिंग बंद की गई है। कंपैक्टर स्थानांतरण केंद्रों के कारण कचरा ढोने वाले वाहनों के चक्कर भी कम हुए हैं। पहले प्रतिदिन करीब 240 चक्कर लगते थे, जो अब घटकर लगभग 150 रह गए हैं। इससे वाहनों से होने वाले प्रदूषण में भी कमी आई है।निर्माण एवं विध्वंस से निकलने वाले मलबे के निस्तारण के लिए अलग संग्रह केंद्र और 300 टन प्रतिदिन क्षमता का सीएंडडी कचरा प्रसंस्करण संयंत्र संचालित किया जा रहा है। अवैध रूप से मलबा फेंकने वालों के विरुद्ध कार्रवाई भी की जा रही है।शहर में हरियाली बढ़ाने के लिए वर्टिकल गार्डन, सड़क किनारे और नदी किनारे हरित क्षेत्र विकसित किए गए हैं। वन विभाग द्वारा मियावाकी पद्धति से पौधरोपण किया गया है। यातायात जाम कम करने के लिए फ्लाईओवर निर्माण और सड़क चौड़ीकरण जैसे कार्य भी किए गए हैं। स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए शहर में 140 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है।इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने, वाहनों की फिटनेस के प्रति जागरूकता, रूफटॉप सौर ऊर्जा के विस्तार तथा एलपीजी और पीएनजी जैसे स्वच्छ ईंधन की पहुंच बढ़ाने के प्रयास किए गए हैं। औद्योगिक क्षेत्रों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर निगरानी की जा रही है। नालों की नियमित सफाई, नालों के आउटलेट पर जाली लगाने, नदियों में ठोस कचरा जाने से रोकने और एकल उपयोग प्लास्टिक के विरुद्ध कार्रवाई भी की गई है।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में राष्ट्रीय स्तर पर लखनऊ को प्रथम स्थान मिलना पूरे शहर के लिए गर्व और खुशी का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व, मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग को दिया। उन्होंने नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा के मार्गदर्शन के लिए भी आभार व्यक्त किया।महापौर ने कहा कि यह उपलब्धि केवल नगर निगम की नहीं, बल्कि पूरे लखनऊ की जनता की है। शहरवासियों के सहयोग और जागरूकता के बिना यह सफलता संभव नहीं थी।

मुट्ठीगंज में खूनी संघर्ष, लगातार दूसरे दिन मारपीट पथराव

प्रयागराज। मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र में शनिवार की रात पहले मटकी फोड़ प्रतियोगता के दौरान हुए झगड़े को लेकर दो गुट रविवार की फिर आमने– सामने हो गए। इस बार विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। 24 घंटे के भीतर रविवार को लगातार दूसरी बार जमकर बवाल हुआ।

यहां दोनों तरफ से लाठी–डंडों के साथ ही जमकर ईंट–पत्थर भी चले। इसमें दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।यह घटना रामभवन चौराहे के पास हुई। घायल दोनों युवकों में विशाल अग्रहरि (35) और नितेश केसरवानी (30) शामिल हैं। इनमें से एक का जबड़ा टूट गया है, जबकि दूसरे के हाथ–पैर व सिर में गंभीर चोट पहुंची है। पुलिस देर रात तक हमलावरों की तलाश में दबिश देती रही।घटना रविवार रात 9रू30 बजे के करीब हुई। यहां 15–20 युवक लाठी–डंडों और लोहे की रॉड लेकर रामभवन चौराहे पर पहुंचे और मोहल्ले में ही रहने वाले स्थानीय लड़कों को ललकारने लगे। इस पर दूसरी ओर से भी बड़ी संख्या में युवक जुट गए। इसके बाद दोनों पक्षों में गाली–गलौज शुरू हुई और फिर देखते ही देखते दोनों पक्ष एक–दूसरे पर टूट पड़े।दोनों पक्ष के युवकों ने एक दूसरे को लाठी–डंडों से पीटना शुरू कर दिया। इससे भी मन नहीं भरा तो ईंट–पत्थर चलाने लगे। करीब 15 मिनट तक दोनों ओर से पथराव होता रहा। इस दौरान सड़क जंग का मैदान बनी रही। सरेआम हुई इस घटना से मोहल्ले में दहशत फैल गई और स्थानीय लोग भी घरों में दुबक गए। करीब 15 मिनट बाद मामला शांत हुआ तो मोहल्ले के ही विशाल और नितेश गंभीर रूप से जख्मी हाल में सड़क पर पड़े मिले। सूचना पर पुलिस पहुंची और फिर दोनों को निजी अस्पताल में ले जाया गया जहां गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें भर्ती कर लिया। थानाध्यक्ष मुट्ठीगंज मनोज कुमार सिंह ने बताया कि वीडियो फुटेज से कुछ हमलावर लड़कों की पहचान हुई है। उनकी तलाश में दबिश दी जा रही है।

वरिष्ठ समाजसेविका एवं अधिवक्ता सुभाष राठी का निधन

अंतिम पायदान के लोगों की आवाज बनीं, 450 से अधिक दिव्यांग बेटियों का कराया विवाह

प्रयागराज। अनाम स्नेह की संरक्षक, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद श्रीमती सुभाष राठी का 6 सितंबर को नई दिल्ली में निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही प्रयागराज के सामाजिक एवं अधिवक्ता संगठनों में शोक की लहर दौड़ गई।

सोमवार सुबह उनके पुत्र अधिवक्ता राहुल राठी पार्थिव शरीर लेकर प्रयागराज स्थित प्रीतम नगर आवास पहुंचे। उनके अंतिम दर्शन के लिए आवास से लेकर रसूलाबाद घाट तक शुभचिंतकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अधिवक्ताओं एवं उनके चाहने वालों का तांता लगा रहा। रसूलाबाद घाट पर उनके पुत्र राहुल राठी ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार किया।

श्रीमती सुभाष राठी ने अपने सामाजिक एवं अधिवक्ता जीवन में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों की आवाज को मजबूती से उठाया। अनाम स्नेह संस्था के माध्यम से पिछले 19 वर्षों में 450 से अधिक दिव्यांग बेटियों के विवाह कराने तथा हजारों दिव्यांगजनों को चलित दुकान उपलब्ध कराकर उन्हें स्वावलंबी एवं समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का उल्लेखनीय कार्य किया।

वर्ष 2002 से 2022 तक उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता के रूप में अपनी सेवाएं पूरी ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ निभाईं। सड़क से लेकर उच्च न्यायालय तक जरूरतमंदों की लड़ाई लड़ने वाली सुभाष राठी का सामाजिक सरोकार उनके पेशेवर जीवन की भी महत्वपूर्ण पहचान रहा।

लोकसेवक मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चोपड़ा ने कहा कि सुभाष राठी का निधन प्रयागराज के सामाजिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है। अनाम स्नेह के संयोजक एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्रीनारायण यादव ने कहा कि यह मेरी व्यक्तिगत क्षति है। ईश्वर हैं या नहीं, इस पर विवाद हो सकता है, लेकिन अपनी ममता से हम सबको सिंचित करने वाली ममतामयी दीदी का अब कोई विकल्प नहीं है। लोक सेवक मंडल के मीडिया प्रभारी रविशंकर मिश्र ने कहा कि सुभाष राठी का जीवन समाजसेवा, न्याय और मानवीय संवेदना को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज ने एक वरिष्ठ समाजसेविका ही नहीं, बल्कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों के लिए सदैव खड़े रहने वाला एक मजबूत अभिभावक खो दिया है।

शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में लोकसेवक मंडल प्रयागराज के सचिव ब्रह्मप्रकाश तिवारी, वरिष्ठ पार्षद आनंद घिडियाल, शिवसेवक सिंह, कमलजीत, सी डब्लू सी के चेयरमेन अखिलेश मिश्र, यमुनोत्री गुप्ता, महिला अधिवक्ता श्रीमती अर्चना सिंह, श्रीमती राज लक्ष्मी, डॉ गीता कौरा, ममता सिंह,सामाजिक एकता परिषद के अध्यक्ष ओमप्रकाश शुक्ला, अधिवक्ता श्रीमती रश्मि, अनुराधा, श्रीमती दुर्गा तिवारी, समाजसेवी राकेश बनोधा, कुलदीप यादव, अधिवक्ता आशीष द्विवेदी,नीलू जायसवाल, अरविन्द चोपडा, मनोज केशरवानी, सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, अधिवक्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जनता दर्शन में उप मुख्यमंती ने सुनीं फरियादें, अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को 7–कालिदास मार्ग स्थित अपने कैम्प कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों ने भूमि एवं राजस्व विवाद, अवैध कब्जे, आवास, पेंशन, चिकित्सा सहायता, विद्युत, सड़क, पेयजल, पुलिस, शिक्षा और रोजगार सहित विभिन्न मामलों से जुड़ी शिकायतें उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं।केशव प्रसाद मौर्य ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को जनहित में शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत की वास्तविक स्थिति की जांच कर नियमानुसार समाधान किया जाए, ताकि शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता दर्शन केवल शिकायतें सुनने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार की जवाबदेही और जनता के बीच सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम है। सरकार की प्राथमिकता है कि आम नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए भटकना न पड़े और पात्र व्यक्ति को शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ समय से मिले।उन्होंने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ तभी है, जब सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे और जरूरतमंद की आवाज प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचे। प्रदेश सरकार इसी भावना के साथ जनहित में कार्य कर रही है।मौर्य ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे। अधिकारी स्वयं प्रकरण की गंभीरता को समझें और ऐसा समाधान सुनिश्चित करें जिससे फरियादी को वास्तविक राहत मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के निस्तारण में ढिलाई, संवेदनहीनता अथवा अनावश्यक देरी को शासन गंभीरता से लेगा और जिम्मेदारी तय की जाएगी।जनता दर्शन में महिलाओं, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों तथा आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना गया। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में मानवीय संवेदना के साथ त्वरित कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि पारदर्शी, संवेदनशील और उत्तरदायी प्रशासन ही जनता के विश्वास को मजबूत करता है।भूमि विवाद और सरकारी अथवा निजी भूमि पर अवैध कब्जे से संबंधित शिकायतों पर उप मुख्यमंत्री ने विशेष गंभीरता दिखाई। उन्होंने संबंधित जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर आवश्यकतानुसार मौके पर जांच कराने तथा तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गरीब और कमजोर लोगों की भूमि पर कब्जा करने अथवा उन्हें भयभीत करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जनता का विश्वास सरकार की सबसे बड़ी ताकत है। सरकार का दायित्व है कि प्रत्येक फरियादी की बात सुने, पात्र व्यक्ति को उसका अधिकार दिलाए और पीड़ित को न्याय उपलब्ध कराए। उन्होंने अधिकारियों को शासन की जनकल्याणकारी भावना को धरातल पर उतारने के लिए पूरी तत्परता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की सेवा में तत्परता और जवाबदेही से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

एयरफोर्स स्टेशन के ऊपर उड़ता नजर आया संदिग्ध ड्रोन

एफआईआर दर्ज, एयरपोर्ट रोड से सटी वायुसेना की परिधि के ऊपर 4 बार दिखा

प्रयागराज। बमरौली स्थित एयरफोर्स स्टेशन की परिधि सीमा के ऊपर एक अज्ञात ड्रोन उड़ता हुआ दिखाई देने के बाद एयरफोर्स स्टेशन की ओर से एयरपोर्ट थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।एयरफोर्स स्टेशन बमरौली के स्टेशन सुरक्षा अधिकारी विंग कमांडर विकास वैभव की ओर से एयरपोर्ट थाने में दी गई तहरीर के मुताबिक 5 सितंबर की रात करीब 1रू28 बजे, 2 बजे, 2रू10 बजे और 2रू38 बजे एयरपोर्ट रोड से सटी वायुसेना की परिधि सीमा दीवार के ऊपर अज्ञात ड्रोन उड़ता हुआ देखा गया। संदिग्ध ड्रोन एक–दो बार नहीं, बल्कि करीब एक घंटे के अंतराल में चार अलग–अलग समय पर नजर आया। एअरफोर्स स्टेशन के ऊपर ड्रोन की संदिग्ध गतिविधियां देख सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। लगातार अलग–अलग समय पर ड्रोन की मौजूदगी सामने आने के बाद इसे गंभीरता से लिया गया और पुलिस को सूचना देकर मुकदमा दर्ज कराया गया। रात के समय संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठान के ऊपर ड्रोन देखे जाने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ड्रोन कौन उड़ा रहा था और उसका मकसद क्या था। पुलिस अब ड्रोन के संचालक तक पहुंचने के लिए जांच कर रही है।ज्ञात हो कि एयरफोर्स स्टेशन की ओर से दी गई तहरीर में गृह मंत्रालय के एसओपी और ड्रोन नियम–2021 का हवाला देते हुए बताया गया है कि वायुसेना अड्डों की परिधि से तीन किलोमीटर तक का क्षेत्र ड्रोन संचालन के लिए प्रतिबंधित है। इस नो ड्रोन जोन में बिना संबंधित सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के ड्रोन उड़ाने की अनुमति नहीं है।तहरीर में यह भी कहा गया है कि एयरफील्ड के नजदीक बिना पूर्व अनुमति के देखा गया ड्रोन अनधिकृत माना जाएगा। इसी आधार पर एयरफोर्स अधिकारियों ने पुलिस से मामले की जांच कर एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध किया था। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि ड्रोन कहां से उड़ाया गया था और इसे कौन संचालित कर रहा था। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा सकती है। इसके अलावा ड्रोन की दिशा, उड़ान के समय और संभावित संचालक की पहचान के लिए तकनीकी साक्ष्यों की मदद ली जाएगी। संवेदनशील सैन्य क्षेत्र के ऊपर एक ही रात में चार बार ड्रोन दिखाई देना जांच एजेंसियों के लिए अहम बिंदु है। पुलिस इस बात की भी जांच करेगी कि यह महज नियमों का उल्लंघन था या ड्रोन उड़ाने के पीछे कोई सुनियोजित मकसद था।

अधिवक्ताओं ने किया पुलिस मुख्यालय का घेराव

प्रयागराज। सिविल लाइंस क्षेत्र के एक जी आफिस के पास एक होटल में अधिवक्ता से मारपीट के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सोमवार को वकीलों पुलिस मुख्यालय का घेराव किया। यहां करीब एक घंटे तक धरना प्रदर्शन किया। मौके पर पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया पहुंचे और कार्रवाई का आश्वासन दिया तो अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन खत्म किया।सुबह करीब 11रू30 बजे 40–50 की संख्या में अधिवक्ता पीएचक्यू पहुंचे। यहां मुख्य प्रवेश द्वार के सामने ही बैठकर उन्होंने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनकी मांग थी कि पूर्व में दिए गए आश्वासन के बाद भी गिरफ्तारी नहीं हुई। इनमें पीड़ित अधिवक्ता विष्णु पांडेय भी शामिल रहे। करीब एक घंटे तक प्रदर्शन के बाद में मौके पर पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया खुद पहुंचे और अधिवक्ताओं से बातचीत की। आश्वासन दिया कि मामले में जल्द कार्रवाई की जाएगी। अधिवक्ताओं के आरोपियों के रसूखदार होने का आरोप लगाने पर उन्होंने यह भी कहा कि मामले में निष्पक्ष और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद अधिवक्ता शांत होकर वापस चले गए। इस दौरान एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर डॉ. अजयपाल शर्मा समेत तमाम अफसर मौजूद रहे। ज्ञात हो कि यह घटना 2 सितंबर की रात की है। एजी ऑफिस के पास रेस्टोरेंट में खाना खाने गए अधिवक्ता का आरोप है कि उनके साथ मारपीट की गई। खाना खराब होने की शिकायत करने पर रेस्टोरेंट संचालक और उसके साथियों ने रेस्टोरेंट से बाहर लाकर बीच सड़क पर उनकी पिटाई की। पुलिस ने लोकनाथ रेस्टोरेंट संचालक, मैनेजर व वेटरों समेत अन्य पर एफआईआर दर्ज की थी। घटना से नाराज अधिवक्ताओं ने अगले दिन एकलव्य चौराहे पर चार घंटे तक प्रदर्शन किया। इससे प्रयागराज–कानपुर हाईवे पर 4 घंटे आवागमन प्रभावित रहा था।

12 सितम्बर की राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार को पीआरवी वाहनों से गांव-गांव पहुंचाएगा लखनऊ पुलिस

लखनऊ, (आरएनएस) आगामी 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में आमजन को जागरूक करने तथा सुलह–समझौते के माध्यम से अधिक से अधिक मामलों का शीघ्र और सरल निस्तारण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ और पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने संयुक्त रूप से विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है। इसके तहत डायल–112 की पीआरवी वाहनों को राष्ट्रीय लोक अदालत एवं मीडिएशन–3.0 के प्रचार–प्रसार के लिए जनपद न्यायालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।वाहनों को जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष मलखान सिंह तथा राष्ट्रीय लोक अदालत की नोडल अधिकारी, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ किरण यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस पहल का उद्देश्य लोक अदालत की जानकारी शहर तक सीमित न रखकर ग्रामीण, दूरस्थ और सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तक पहुंचाना है, ताकि जानकारी के अभाव में कोई पात्र व्यक्ति इसके लाभ से वंचित न रहे।राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के सुलहनीय और लंबित मामलों का आपसी सहमति एवं सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारण कराया जा सकता है। इसके माध्यम से पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलने के साथ विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त करने का अवसर मिलता है। 12 सितम्बर को होने वाली लोक अदालत में दीवानी वाद, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण से संबंधित मामले, बैंक एवं वित्तीय विवाद, उपभोक्ता विवाद, राजस्व वाद और चालानी वाद सहित विभिन्न सुलहनीय मामलों के निस्तारण के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है।डायल–112 की पीआरवी वाहनों के माध्यम से लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जागरूकता संदेश प्रसारित किए जाएंगे। विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को लोक अदालत के लाभ और अपने सुलहनीय मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। पुलिस और न्यायपालिका के इस संयुक्त अभियान का उद्देश्य न्यायिक जागरूकता को जन–जन तक पहुंचाना तथा लोगों को आपसी सुलह–समझौते एवं मध्यस्थता के माध्यम से विवादों का शांतिपूर्ण समाधान कराने के लिए प्रेरित करना है।राष्ट्रीय लोक अदालत के साथ मीडिएशन–3.0 के संबंध में भी व्यापक प्रचार किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 01 अगस्त से 30 सितम्बर 2026 तक मामलों को मध्यस्थता के लिए भेजे जाने की प्रक्रिया तथा 01 अक्टूबर से 30 दिसम्बर 2026 तक मध्यस्थता के माध्यम से मामलों के समाधान का प्रयास किया जाएगा। इसका उद्देश्य पक्षकारों को आपसी सहमति से विवादों का समाधान करने का अवसर देना और न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाना है।जनपद न्यायाधीश मलखान सिंह ने आमजन से राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोक अदालत लंबित विवादों के सरल और शीघ्र समाधान का प्रभावी माध्यम है। न्यायपालिका और पुलिस प्रशासन का प्रयास है कि इसकी जानकारी गांव–गांव और प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे।राष्ट्रीय लोक अदालत की नोडल अधिकारी किरण यादव ने कहा कि 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देने के लिए जनपद न्यायालय और लखनऊ पुलिस द्वारा पीआरवी वाहनों के माध्यम से जागरूकता संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने लंबित मामलों के समाधान के लिए लोक अदालत का लाभ उठाने के लिए आगे आना चाहिए।

यूपी को स्किल कैपिटल बनाने में प्रयागराज की बड़ी कामयाबी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश को कुशल जन शक्ति का केंद्र बना रही है । इसके लिए वह केंद्र सरकार के सहयोग से युवाओं की प्रतिभा की पहचान कर उन्हें वैश्विक मंच प्रदान कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता और आत्मनिर्भरता के लिए कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की तरफ से इंडिया स्किल्स कम्पिटिशन का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से सफल प्रतिभागी आगे चलकर शविश्व कौशल एशिया प्रतियोगिता–2027श और शविश्व कौशल प्रतियोगिता– 2028श में प्रतिनिधित्व कर सकेंगे। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश को स्किल की राजधानी बनाने का प्रयास कर रही है। इसके लिए सरकार प्रदेश में युवाओं में छिपे कौशल और तकनीकी दक्षता की पहचान कर उन्हें सम्मानित करना और आगे बढ़ने का अवसर देना दे रही है। नेशनल स्किल्स काम्पिटिशन का आयोजन भी इसी का हिस्सा है जिसमे प्रयागराज जनपद को बड़ी कामयाबी मिली है। प्रयागराज के कौशल विकास मिशन के जिला प्रबंधक अभिषेक शुक्ला का कहना है कि प्रयागराज जिले के लतीफपुर फूलपुर के रहने वाले नितिन कुमार ने इंडिया स्किल नेशनल काम्पिटिशन 2025–26 मे देश मे पहला स्थान हासिल किया है। इसी वर्ष सितंबर के महीने मे नितिन एशिया स्किल काम्पिटिशन 2026–27 मे प्रतिभाग करने जा रहे हैं। फौजी परिवार से ताल्लुक रखने वाले नितिन कुमार ने यदुपति सिंघानिया आई आई टी कानपुर से राज मिस्त्री ट्रेड मे स्किल की ट्रेनिंग ली। नितिन कुमार का कहना है कि उसकी ट्रेड राज मिस्त्री की थी और उसकी रुचि भी वॉल एण्ड टाइलिंग मे अधिक थी और इसीलिए उन्होंने इंडिया स्किल नेशनल काम्पिटिशन 2025–26 प्रतियोगिता मे हिस्सा फ्लोर का संसद भवन डिजाइन बनाने को मिला।

मार्निंग वाकर्स ने किया आजाद पार्क में पौधा रोपण

प्रयागराज। मॉर्निंग वॉकर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा सोमवार प्रातः आजाद पार्क में पर्यावरण संरक्षण के प्रोत्साहन हेतु पौधारोपण किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष किशोर वार्ष्णेय के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने 101 पौधे रोपे। वार्ष्णेय ने बताया कि एक पेड़ लगाएं –हजारों खुशियां पायें लक्ष्य के तहत आम, नीम, अमरूद, जामुन, अश्वगंधा, शीशम, तुलसी , यूकेलिप्टिस आदि के पौधे लगाए गए जो पृथ्वी पर जीवन को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है।

नेत्रगुरु सम्मान से सम्मानित हुए सुप्रसिद्ध नेत्र रोग सर्जन डा. रवि त्रिपाठी

सुल्तानपुर। जनपद के सुप्रसिद्ध नेत्र रोग सर्जन डॉ. रवि त्रिपाठी को चिकित्सा एवं नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए गोरखपुर में आयोजित राजकान–2026 में प्रतिष्ठित 'नेत्रगुरु सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान गोरखपुर ऑप्थैल्मिक सोसाइटी एवं राज आई हॉस्पिटल, गोरखपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। डॉ. रवि त्रिपाठी को इस प्रतिष्ठित सम्मान के साथ ही कार्यक्रम में फैकल्टी स्पीकर के रूप में भी आमंत्रित किया गया। देश–प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से जुटे वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित नेत्र रोग विशेषज्ञों के बीच उन्हें यह सम्मान मिलना सुल्तानपुर के लिए गौरव की बात है। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. रवि त्रिपाठी ने कहा कि इतने प्रतिष्ठित नेत्र चिकित्सकों के बीच 'नेत्रगुरु सम्मान' प्राप्त करना उनके लिए अत्यंत गर्व और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने इस सम्मान के लिए डॉ. अनिल श्रीवास्तव के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग, प्रोत्साहन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने गोरखपुर ऑप्थैल्मिक सोसाइटी एवं आयोजन समिति के सभी सदस्यों के प्रति भी आभार जताया और कहा कि इस प्रकार के सम्मान चिकित्सकों को निरंतर सीखने, सिखाने, ज्ञान साझा करने तथा मरीजों की बेहतर सेवा के लिए उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।डॉ. रवि त्रिपाठी को 'नेत्रगुरु सम्मान' मिलने की खबर से सुल्तानपुर जनपद के चिकित्सा जगत एवं उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर है।

मथुरा में करोड़ों की ग्राम समाज की सरकारी जमीन का खेल

-15.62 हेक्टेयर भूमि के फर्जी एग्रीमेंट पर 16 के खिलाफ प्राथमिकी

- तहसील सदर की जांच में खुलासा, सरकारी जमीन को निजी बताकर बेचने का बड़ा खेल

-जिलाधिकारी के निर्देश पर तहसीलदार सदर ने दर्ज कराया अभियोग

(मथुरा)

तहसील सदर क्षेत्र में करोड़ों रुपये कीमत की सरकारी जमीन को कथित तौर पर फर्जी तरीके से बेचने के प्रयास का मामला सामने आया है। करीब 15.62 हेक्टेयर सरकारी भूमि के विक्रय के लिए एग्रीमेंट किए जाने के आरोप में 16 लोगों के खिलाफ थाना सदर कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

मामला ग्राम अडूकी,भुडरुसू और तारसी समेत अन्य क्षेत्रों की सरकारी भूमि से जुड़ा बताया जा रहा है। आरोप है कि ग्राम समाज की सरकारी भूमि को निजी संपत्ति के रूप में दर्शाते हुए कई लोगों के पक्ष में उसके विक्रय के लिए एग्रीमेंट किए गए।

शिकायत मिलने के बाद तहसील प्रशासन ने मामले की जांच कराई। जांच में कथित तौर पर सामने आया कि करोड़ों रुपये मूल्य की ग्राम समाज की सरकारी भूमि को गलत तरीके से निजी व्यक्तियों को बेचने के उद्देश्य से एग्रीमेंट किए गए थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी सी.पी सिंह के निर्देश पर तहसीलदार सदर अमित त्रिपाठी ने थाना सदर कोतवाली में तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने 16 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

एफआईआर में नेम सिंह पुत्र लाल निवासी समसपुर, योगेंद्र पुत्र रघुनाथ निवासी आजमपुर, नारायण सिंह पुत्र ज्ञानी निवासी भैसा, राजू पुत्र रतिराम निवासी रासपुर और डोरीलाल पुत्र गोपी निवासी नगला मोहर, राल सहित कुल 16 लोगों के नाम शामिल बताए गए हैं।ग्राम समाज की

सरकारी जमीन पर नजर रखने वालों में हड़कंपमचा हुआ हैं।करोड़ों रुपये की ग्राम समाज की सरकारी भूमि को कथित तौर पर खुर्द–बुर्द करने के इस प्रयास के सामने आने के बाद तहसील प्रशासन की कार्रवाई से जमीन के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। अब पुलिस एफआईआर के आधार पर पूरे मामले की जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

विलुप्त हो रही कजरी को संजोने की पहलरू 19 सितंबर को मीरजापुर में होगा 16वां विन्ध्य कजली महोत्सव

कलाकार मंच ट्रस्ट की बैठक में निर्णयरू 19 सितंबर को अहिल्या बाई पार्क में गूंजेगी विन्ध्य कजली

मीरजापुर की धरोहर को मिलेगा नया जीवनरू 16वें विन्ध्य कजली महोत्सव की तैयारियां तेज

मीरजापुर 07 सितम्बर 2026– कलाकार मंच ट्रस्ट के सचिव शिवलाल गुप्ता की अध्यक्षता में विलुप्त हो रही कजरी के संरक्षण हेतु एक आवश्यक बैठक आहूत गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जनपद वाली पीढ़ियो में उसका संचार करने एवं कल्चर व उत्साह बनाये रखने हेतु विगत वर्ष की भॉति इस वर्ष भी 16 वॉ विन्धयकजली महोत्सव 2026 का आयोजन दिनांक 19 सितम्बर 2026 दिन शनिवार समय सायं कजली महोत्सव में जनपद के ही नहीं बल्कि देश व प्रदेश के कलाकारों के द्वारा अपने कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी। बैठक में सूफिया बेगम, कीर्ति सिंह, जय

की विलुप्त हो रही धरोहर कजली दुनमुनिया शायरी, चौलर, दोलर, ककहरा, बंदिश, अधर, शब्द सोखन, नालबन्द आदि गायन तथा नृत्य विधा को जीवन्त रखने एवं आने 06रू00 बजे से स्थान, पूर्व मंत्री स्व० भागवत पाल जी के घर के सामने (अहिल्या बाई होल्कर पार्क के प्रांगण में) शुक्लहा कचहरी रोड मीरजापुर में ट्रस्ट द्वारा आयोजित किया गया है। सिंह पाल एडवोकेट, श्याम गोपाल प्रजापति, विजय शंकर प्रजापति सभासद सहित अन्य कलाकार उपस्थित रहे।

जनगणना द्वितीय चरण हेतु फील्ड ट्रेनरों की बैठक आयोजित, जिलाधिकारी ने दिए आवश्यक निर्देश

मीरजापुर 07 सितम्बर 2026– जनगणना द्वितीय चरण कार्य हेतु फील्ड ट्रेनर कार्य हेतु जनपद की समस्त तहसील एवं नगर पालिकाध्नगर पंचायत से चयनित कार्मिकों की एक बैठक जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में जी0डी0 बिन्नानी कालेज में आयोजित हुई। उपरोक्त बैठक में जनपद की समस्त तहसीलों के उप जिलाधिकारी, प्रभारी अधिकारी जनगणना, तहसीलदार तथा अधिशासी अधिकारीगण ने भी प्रतिभाग किया। बैठक को जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 ने सम्बोधित किया।जिलाधिकारी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि जनगणना अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य है तथा इसको हम सभी को बड़ी सावधानी से ससमय पूरा करना है तथा किसी प्रकार की लापरवाही

नहीं करनी है। उपस्थित कार्मिकों से प्रथम चरण के मानदेय की प्राप्ति के सम्बन्ध में पूछा गया तो सभी ने अवगत कराया कि मिल गया है तथा अवगत कराया गया कि द्वितीय चरण का मानदेय भी ससमय मिल जायेगा। जिलाधिकारी महोदय ने अवगत कराया कि जनगणना के दौरान एकत्रित की गयी सूचनायें मात्र शासन की नीतियों के निर्माण से सम्बन्धित होती हैं, इससे किसी भी व्यक्ति को व्यक्तिगत लाभ या हानि नहीं होता है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा स्वगणना कार्य को ज्यादा से ज्यादा करने के लिए आम जनमानस को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया, जिससे कि जनगणना कार्य के दौरान कम से कम समय लगे।अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि समस्त कर्मचारी पूरे मनोयोग से जनगणना के कार्य को सम्पादित करें तथा यदि किसी प्रकार की कोई समस्या हो, तो अवगत करायें जिससे कि उसका निराकरण किया जा सके।

यूजीसी-आरक्षण के मुद्दे पर सवर्ण परिषद का शंखनाद

8 सितंबर को बरौंसा में जुटेंगे कार्यकर्ता

बरौंसाध्सुल्तानपुर। यूजीसी, आरक्षण और एससी–एसटी एक्ट जैसे मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय सवर्ण परिषद की सुल्तानपुर टीम ने आगामी कार्यक्रमों की तैयारी तेज कर दी है। संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आज 8 सितंबर मंगलवार को बरौंसा चौराहे के कादीपुर रोड स्थित मां गायत्री स्वीट्स में आयोजित होगी। बैठक में विभिन्न अहम मुद्दों पर चर्चा के साथ जयसिंहपुर तहसील में एसडीएम को ज्ञापन सौंपने की तारीख भी तय की जाएगी। राष्ट्रीय सवर्ण परिषद की ओर से अधिक से अधिक संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बैठक में पहुंचने की अपील की गई है। संगठन के अनुसार बैठक में यूजीसी से जुड़े विषयों, आरक्षण व्यवस्था और एससी–एसटी एक्ट सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया जाएगा। साथ ही आगामी कार्यक्रमों को लेकर संगठन की रणनीति पर भी चर्चा होगी। परिषद के पदाधिकारियों के मुताबिक जयसिंहपुर तहसील में उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने की तैयारी की जा रही है। ज्ञापन कार्यक्रम की तारीख और आगे की कार्ययोजना बैठक में स्पष्ट की जाएगी। ऐसे में 8 सितंबर की बैठक को संगठन के आगामी अभियान की दिशा तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह है। परिषद ने सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बैठक को सफल बनाने की अपील की है।

डीएम ने कई वर्षो से जमे बाबूओं के कार्यक्षेत्र में किया फेरबदल

अभी भी कई बाबू कलेक्ट्रेट व तहसीलों में है काबिज

सुल्तानपुर। जिले के राजस्व महकमे में कई वर्षों से जमे बाबूओं का कार्यों में फेरबदल अधिवक्ताओं की शिकायत पर जिलाधिकारी ने किया है। अभी भी कई वर्षों से कलेक्ट्रेट व तहसीलों में जमे बाबूओं की बल्ले बल्ले हैं। सोमवार को हुए तबादले में एडीएम एफआर कोर्ट पर तैनात पेशकार को कादीपुर, सीआरओ कोर्ट से आत्मा राम पांडेय को एडीएम एफआर कोर्ट, संजय सेन को एसडीएम सदर से लंभुआ, मो.दानिश को पेशकार सदर, जयसिंहपुर रहे शहंशाह आलम को सीआरओ कोर्ट, एडीएम प्रशासन के यहां हर्षद सिंह कादीपुर से आए है यहां रहे रतन भीम को जयसिंहपुर, मो. असलम नायब नाजिर बल्दीराय, अतिरिक्त अधिकारी के यहां नवीन मौर्य(कादीपुर से),तहसीलदार सदर के पेशकार रहे राजेंद्र कन्नौजिया कादीपुर, यहां बल्दीराय से उमेश सिंह ने कमान संभाली है। तहसीलदार न्यायिक सदर के पेशकार बने वीरेंद्र यादव(जयसिंहपुर), एसीएम रहे नफीस बने एसडीएम लंभुआ। बल्दीराय में पेशकार रहे नवीन वर्मा बने एसीएम। फिलहाल इतनी संख्या में हुए तबादले पर अधिवक्ताओं, मीडिया व फरियादियों ने डीएम के इस कदम की जहां पर सराहना की है। वही अभी भी कलेक्ट्रेट व तहसीलों में बहुत से ऐसे लिपिक है जो पटल बदलवा कर यही जमे हैं।

मेडिकल कालेज में लगी हेपेटाइटिस बी की डायलिसिस मशीन

सुल्तानपुर। मेडिकल कालेज में सोमवार को हेपेटाइटिस बी डायलिसिस मशीन का शुभारंभ किया गया। यहाँ इस मशीन की स्थापना करने की कोई योजना नहीं थी।इसके बावजूद एसबीआई के सेवानिवृत्त प्रबंधक पीपी सिंह ने अथक प्रयास कर इसे मरीजों के हितों को देखते हुए लगवाने की मन में योजना बनाई। फिर क्या था पार्टी व संगठन के पदाधिकारियों ने सहयोग करने की बात कही। प्रदेश के डिप्टी सीएमध्स्वास्थ मंत्री ब्रजेश पाठक से अनुरोध कर हुए पत्राचार की स्वीकृत दिलाई जिसका नतीजा यह रहा कि करीब दस लाख रू की लागत से इस मशीन की स्थापना कराई गई जो आज से क्रिया शील हो गई। मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। इसकी पहल करने वाले बैंक के पूर्व प्रबंधक पीपी सिंह ने बताया कि बड़े अथक प्रयास व सहयोग से सफलता मिली है। जिले वासियो ने इस मशीन की स्थापना व संचालन पर खुशी जताई है। भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त प्रबंधक प्रतिपाल सिंह के निरंतर प्रयास एवं डॉ. रमा शंकर मिश्रा के मार्गदर्शन और डॉ. डी.एस.मिश्रा के स्वास्थ्य मंत्रालय में सहयोग से सुल्तानपुर जिला अस्पताल में हेपेटाइटिस बी मैरीजॉन के लिए डायलिसिस मशीन की बड़ी सौगात प्राप्त हुई ।

जिलाधिकारी द्वारा दरियापुर फ्लाईओवर के नीचे निर्मित लेबर जोन का किया गया निरीक्षण।

सुलतानपुर जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह द्वारा दरियापुर फ्लाईओवर के नीचे सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से निर्मित लेबर जोन का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने लेबर जोन में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी महोदय ने अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका परिषद सुलतानपुर को निर्देशित किया कि लेबर अड्डे की नियमित साफ–सफाई सहित आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाएं, ताकि श्रमिकों को बेहतर एवं व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि शाहगंज चौराहे पर एकत्रित होने वाले श्रमिकों को दरियापुर फ्लाईओवर के नीचे निर्मित लेबर जोन में शिफ्ट कराया जाए, जिससे श्रमिकों को सुविधाजनक एवं व्यवस्थित स्थान मिल सके तथा चौराहे पर भीड़ की स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। जिलाधिकारी महोदय

ने सहायक श्रमायुक्त को निर्देशित किया कि श्रमिकों के हितार्थ शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने तथा पात्र श्रमिकों को योजनाओं से लाभान्वित कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने श्रमिकों को उनके अधिकारों एवं कल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में जागरूक करने पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए लेबर अड्डे पर मेडिकल टीम की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए, ताकि वहां उपस्थित होने वाले श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जा सके तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें समुचित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। जिलाधिकारी महोदय ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि लेबर अड्डे को श्रमिकों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक स्थल के रूप में विकसित किया जाए तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाएं।

श्री गणपति पूजा का पुरस्कार वितरण

जौनपुर। श्री गणपति पूजा महासमिति के तत्वावधान में पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह महासमिति के मुख्य संरक्षक वरिष्ठ पत्रकार लोलारक दुबे की अध्यक्षता में हुआ। गत वर्ष श्री गणेश उत्सव के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पूजन समितियों, धार्मिक अनुष्ठानों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संगठनों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट सेवा देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री ज्ञानप्रकाश सिंह व उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और गणपति वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों और श्री गणेश भजनो ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मुख्यवक्ता ओमप्रकाश बाबा दुबे पूर्व विधायक बदलापुर ने महासमिति के कार्यों की सराहना करते हुए समस्त पूजन समितियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। विशिष्ट अतिथि मनोरमा मौर्य अध्यक्ष नगर पालिका परिषद डॉ0 सरफराज खान प्रतिनिधि अध्यक्ष नगर पंचायत जफराबाद, डॉ0 ऋषभ यादव व डॉ0 विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे आयोजन से गंगा जमुनी तहजीब को बल मिलता है। पुरस्कृत की गई समितियों में शोभा यात्रा में श्री गणेश मित्र मंडल रसूलाबाद, श्री शिवशक्ति बाल गणेश पूजा समिति ईशापुर, श्री गणपति पूजनोत्सव सेवा समिति मियांपुर क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही।निर्णायक मंडल के सदस्य गण के रूप में हरिद्वार प्रसाद विश्वकर्मा एडवोकेट, सोम कुमार वर्मा, उर्वशी सिंह, अंजली जड़वानी, नीरज शाह, तुलिका श्रीवास्तव व संजय प्रजापति को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संचालन मुख्य ट्रस्टी संजीव कुमार यादव एडवोकेट ने किया।स्वागत भाषण संयोजक नवीन सिंह बसगोती व अध्यक्ष दीपक जावा, कोआर्डिनेटर संजय जड़वानी व पवन दुबे ने संयुक्त रूप से आगंतुक के प्रति आभार जताया।

नौ दिवसीय श्रीराम कथा कर रूपरेखा बनी

जौनपुर। बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में 21 से 29 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली नौ दिवसीय श्रीराम कथा की तैयारियों को लेकर रविवार को बैंक्वेट हॉल में समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कथा आयोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।सेवा भारती के बैनर तले आयोजित होने वाली श्रीराम कथा से पूर्व 20 अक्टूबर को भव्य कलश एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी। बैठक में कलश यात्रा के रूट मैप, कलश वितरण, यात्रा की एकरूपता के लिए परिधान, झांकियों तथा सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया।श्रीराम कथा के मुख्य आयोजक ज्ञानप्रकाश सिंह ने कहा कि कलश एवं शोभायात्रा को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक और समन्वित प्रयास से दिव्य एवं भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता मुरली पाल, प्रान्त कार्यवाह, काशी प्रांत ने की।

अनरसा और मिठाई की दुकान पर छापा

जौनपुर। मिलावट की लगातार शिकायत को लेकर खाद्य विभाग ने अधिकारियों द्वारा जफराबाद कस्बे में छापेमारी किया. छापेमारी की सूचना पाते ही पूरे मार्केट में जहां हड़कंप मंच गया है. उसके बाद सभी दुकानदार अपनी दुकान बंद करना शुरू कर दिया । खाद्य विभाग द्वारा कस्बे में फूड इंस्पेक्टर विनोद यादव द्वारा अपनी टीम के साथ छापेमारी किया जिसमें शिवाला मंदिर स्थित अनरसा की दुकान से तेल का सेम्पल,प्रेम डेरी से दूध पनीर और मिष्ठान भंडार से जलेबी और गजोधर मिष्ठान भंडार से बेसन का लड्डू का सैंपल लिया गया. जब इसकी भनक मार्केट में लगी तो सारे मिलावटी करने वाले दुकानदार अपनी–अपनी दुकान बंद कर फरार हो गए उक्त मार्केट में डेयरी संचालक द्वारा मिलावटी पनीर दूध खोवा बेची जाती है और इसके साथ–सा थ जितने भी मिठाई की दुकान है उसमें भी अधिक मात्रा में मिलावटी खाद्य बेची जा रही है जिसकी शिकायत मिलने पर खाद्य विभाग द्वारा शिकायत को संज्ञान में लेते हुए उक्त कार्रवाई किया गया है।

मुसहर बस्ती की बिजली काटने पर प्रदर्षन

जौनपुर । जफराबाद क्षेत्र के उत्तरगांवा में मुसहर बस्ती की बिजली काट दी गई है। सोमवार को इस मामले में दो दर्जन से ज्यादा महिलाओं ने डीएम कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। उन्होंने डीएम को संबोधित एक पत्र परियोजना निदेशक को सौंपा है। उत्तरगांव गांव के छोटेलाल मुसहर ने बताया कि उनकी बस्ती में करीब 15 साल पहले विधायक निधि से बिजली लगाई गई थी। तब से लेकर अब तक बिजली की सप्लाई लगातार जारी थी। करीब एक महीने पहले बिजली विभाग की टीम ने बस्ती के सभी कनेक्शन काट दिए। बस्ती के लोगों के पास बिजली का कोई दूरा इंतजाम नहीं है जिससे वे अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। छोटेलाल ने जब बिजली काटने का कारण पूछा, तो टीम ने कहा कि उन्हें जो आदेश मिला है, वे वही कर रहे हैं। उन्होंने लोगों को विभाग में जाकर पता करने को कहा। छोटेलाल ने बताया कि बारिश के दिनों में जलजमाव की समस्या है। इस मौसम में रात के अंधेरे में जीना मुश्किल हो गया है। उन्हें रात में जहरीले जानवरों का डर सता रहा है। छोटेलाल मुसहर ने डीएम से इस मामले की जांच कराने और उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

मेडिकल स्टेपर पर छापा

जौनपुर। सुजानगंज क्षेत्र के मेडिकल स्टेपर पर औषधि विभाग की टीम ने छापेमारी की है। विभाग की टीम द्वारा गौरी शंकर मेडिकल स्टोर पर अचानक छापेमारी से आसपास के मेडिकल संचालकों में हड़कंप मच गया।छापेमारी के दौरान टीम को कुछ ऐसी दवाएं मिलीं, जिनके संबंध में बिल उपलब्ध नहीं होने और दवाओं की वैधता को लेकर सवाल उठने की बात सामने आई है। सबकी नजर औषधि विभाग की आगे की कार्रवाई और आधिकारिक रिपोर्ट पर टिकी है।

रास्ते में चाकुओं से हमले में युवक गंभीर

जौनपुर। जलालपुर थाना क्षेत्र के त्रिलोचन छतरी मार्ग के पास सोमवार को बाइक सवार एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घायल युवक की पहचान 27 वर्षीय किसान यादव पुत्र राजेश यादव, निवासी बरइयापुर, थाना जलालपुर के रूप में हुई है। पीड़ित के मुताबिक दोपहर में वह बाइक से जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में करीब 10 से 20 लोगों ने उसे रोक लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

इसरो को कमजोर करने की साजिश हो रही या भारत को सुपर पावर बनने की रणनीति पर काम चल रहा?

विपक्ष ने भी इस मुद्दे को राजनीतिक मोर्चे पर उठा लिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि स्टार्ट–अप को बढ़ावा देने के नाम पर इसरो की भूमिका सीमित की जा रही है और उसकी दशकों पुरानी क्षमताएं निजी कंपनियों को सौंपी जा सकती हैं। क्या भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो को धीरे–धीरे निजी हाथों के हवाले किया जा रहा है, या फिर देश एक ऐसी नई अंतरिक्ष रणनीति की ओर बढ़ रहा है जिसमें इसरो शोध और सामरिक अभियानों का कमांड सेंटर बनेगा और उद्योग उत्पादन की ताकत? यही सवाल पिछले कुछ दिनों से भारतीय अंतरिक्ष जगत के भीतर और बाहर तेज बहस का विषय बना हुआ है। अब इसरो ने स्वयं सामने आकर स्पष्ट किया है कि न तो इसरो का निजीकरण होगा और न ही उसकी भूमिका या महत्व कम किया जाएगा।यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है जब इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने 4 सितंबर को इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन को पत्र लिखकर अंतरिक्ष क्षेत्र में चल रहे सुधारों, उत्पादन गतिविधियों के निजी कंपनियों और सार्वजनिक उपक्रमों को हस्तांतरण तथा कर्मचारियों के भविष्य पर गंभीर सवाल उठाए थे। उनकी चिंता का केंद्र 21 अगस्त को प्छ–ैच।ह्म के अध्यक्ष पवन गोयनका की वह टिप्पणी थी, जिसमें कहा गया था कि भविष्य में इसरो प्रक्षेपण यानों का निर्माण बंद कर सकता है और उनका उत्पादन उद्योग या पीएसयू संभाल सकते हैं।इसरो का जवाब स्पष्ट है कि भूमिका बदल रही है, महत्व नहीं। एजेंसी अब उस दिशा में अपने वैज्ञानिक संसाधन केंद्रित करना चाहती है जहां उसकी विशेषज्ञता सबसे निर्णायक है। यानि फ्रंटियर रिसर्च, उन्नत प्रौद्योगिकी, मानव अंतरिक्ष उड़ान, अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान, गहरे अंतरिक्ष और ग्रहों के मिशन तथा राष्ट्रीय और सामरिक क्षमताएं। हम आपको बता दें कि संचार, नेविगेशन और पृथ्वी अवलोकन के उन्नत पेलोड, सेंसर, प्रणोदन प्रणालियां और अन्य महत्वपूर्ण तकनीकें इसरो के मूल फोकस में बनी रहेंगी।दूसरी ओर, जिन तकनीकों ने परिपक्वता हासिल कर ली है और जिनका बड़े पैमाने पर नियमित उत्पादन संभव है, उन्हें उद्योग और पीएसयू प्रतिस्पर्धी प्रक्रियाओं के माध्यम से बढ़ा सकते हैं। इसमें परिपक्व लॉन्च व्हीकल, नियमित उपग्रह और स्थापित अंतरिक्ष प्रणालियां शामिल हो सकती हैं। इसरो का तर्क है कि इससे उसके वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों का समय

उत्पादन में नहीं, बल्कि भविष्य की जटिल तकनीकों और महत्वाकांक्षी अभियानों में लगेगा।यही इस बदलाव का सबसे बड़ा रणनीतिक अर्थ है। अंतरिक्ष शक्ति बनने के लिए इसरो को "फैक्ट्री" से आगे बढ़कर "टेक्नोलॉजी फ्रंटियर" पर खड़ा होना होगा। भारत ने 2030 तक सालाना 50 प्रक्षेपणों का लक्ष्य रखा है। पवन गोयनका का कहना है कि इतने बड़े पैमाने का लक्ष्य कोई एक संगठन अकेले हासिल नहीं कर सकता। इसके लिए निजी पूंजी, औद्योगिक उत्पादन क्षमता, उद्यमिता और वैश्विक बाजार तक पहुंच जरूरी है।

यह पूरी व्यवस्था भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 और एफडीआई नीति के क्रमिक उदारीकरण से जुड़ी है। इसरो इसे निजीकरण नहीं, बल्कि "इकोसिस्टम विस्तार और क्षमता गुणन" बता रहा है। उद्योग, स्टार्ट–अप और अकादमिक संस्थानों को अंतरिक्ष मूल्य श्रृंखला में शामिल कर इसरो की क्षमताओं को प्रतिस्थापित नहीं, बल्कि कई गुना करने की योजना है।

नई संरचना में विभागीय भूमिकाएं भी स्पष्ट की गई हैं। डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस नीति दिशा देगा, इसरो उन्नत अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और राष्ट्रीय मिशनों का मुख्य केंद्र रहेगा, प्छ–ैच।ह्म गैर–सरकारी संस्थाओं की भागीदारी को सक्षम और अधिकृत करेगा, जबकि छैप्स् परिपक्व क्षमताओं के व्यावसायीकरण और उद्योग–आधारित उपयोग को आगे बढ़ाएगा।लेकिन इस परिवर्तन पर सवाल खत्म नहीं हुए हैं। कर्मचारी संगठनों ने पूछा है कि नीति का कानूनी और प्रशासनिक आधार क्या है, इसका क्रियान्वयन कब होगा और मौजूदा कर्मचारियों तथा भविष्य की भर्ती पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। उनका सबसे महत्वपूर्ण तर्क है कि दशकों में विकसित इसरो की तकनीक राष्ट्रीय संपत्ति है, इसलिए उसका हस्तांतरण पारदर्शी, जवाबदेह और सामरिक तथा सुरक्षा हितों के अनुरूप होना चाहिए। विपक्ष ने भी इस मुद्दे को राजनीतिक मोर्चे पर उठा लिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि स्टार्ट–अप को बढ़ावा देने के नाम पर इसरो की भूमिका सीमित की जा रही है और उसकी दशकों पुरानी क्षमताएं निजी कंपनियों को सौंपी जा सकती हैं। पार्टी नेता जयराम रमेश ने इसे इसरो के "साराभाई–धवन ढांचे" को कमजोर करने की प्रक्रिया बताया।यह विवाद इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाएं अब असाधारण स्तर पर पहुंच चुकी हैं। 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, 2040 तक भारतीय मानवयुक्त चंद्र मिशन, पुनरू प्रयोज्य और अगली पीढ़ी के लॉन्च सिस्टम तथा सतत चंद्र और ग्रह अन्वेषण, ये लक्ष्य साधारण व्यावसायिक विस्तार से हासिल नहीं होंगे। इसरो का कहना है कि ऐसी क्षमताओं को केवल बाजार की ताकतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। हम आपको बता दें कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था फिलहाल लगभग 8.4 अरब डॉलर आंकी गई है और लक्ष्य 2033 तक इसे 44 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है। इसलिए असली चुनौती निजी क्षेत्र बनाम इसरो नहीं, बल्कि इसरो–नेतृत्व वाले राष्ट्रीय अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र की सफलता है। रणनीतिक दृष्टि से यह भारत के लिए निर्णायक मोड़ है। अब सवाल यह है कि क्या भारत उत्पादन का विस्तार करते हुए अपनी संवेदनशील तकनीक, सामरिक स्वायत्तता और वैज्ञानिक नेतृत्व को सुरक्षित रख पाएगा। यदि संतुलन सही बैठा, तो निजी उद्योग इसरो की ताकत बढ़ाएगाय यदि पारदर्शिता और संस्थागत नियंत्रण कमजोर पड़े, तो राष्ट्रीय क्षमताओं के हस्तांतरण पर उठ रहे सवाल और गंभीर होंगे।

सम्पादकीय

कसौटी पर अभी मंजिल दूर

बैडमिंटन के बड़े टूर्नामेंट्स में भारत की मजबूत उपस्थिति है, यह इस बार भी जाहिर हुआ। लेकिन सर्वोच्च सफलताओं की कसौटी पर अभी मंजिल दूर है। भारत को सिर्फ एक कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

देश ने राहत की सांस ली है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में बैंडमिंटन विश्व चौंपियनशिप का आयोजन दोषमुक्त ढंग से हुआ। इस साल के आरंभ में उसी स्टेडियम में इंडिया ओपन बैडमिंटन चौंपियनशिप के आयोजन के दौरान बंदरों और कबूतरों की बार–बार घुसपैठ भारत की बदनामी की वजह बनी थी। काबिल–ए–तारीफ है कि आयोजकों ने उस अनुभव से सबक सीखा। नतीजतन, जिस समय दुनिया का ध्यान भारत पर टिका था, कोई ऐसी बात नहीं हुई, जो देशवासियों के लिए असहजता का कारण बनती।

जहां तक खेल का संबंध है, भारत ने 2011 से लगातार कोई ना कोई मेडल जीतने का सिलसिला बरकरार रखा, लेकिन कुल प्रदर्शन इस टूर्नामेंट में भारत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी फीका रहा। अपना माहौल होने के बावजूद भारत को सिर्फ ट्रेसी जॉली और गायत्री गोपीचंद के महिला डबल्स में जीते कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दरअसल, दिल्ली में जाहिर यह हुआ कि बैडमिंटन जैसे बेहद प्रतिस्पर्धी खेल में किसी देश के लिए वर्चस्व बनाए रखना आसान नहीं है। पुरुष सिंगल्स में टॉप 5 सीड वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल से पहले ही बाहर हो गए। उधर बैटमिंटन की महाशक्ति जापान कोई स्वर्ण पदक नहीं जीत सका। एक अन्य महाशक्ति चीन को सिर्फ एक स्वर्ण पदक से संतोष करना पड़ा। कुल पांच श्रेणी में हुए मुकाबलों में इंडोनेशिया किसी फाइनल में जगह नहीं बना सका। स्कैंडेनेवियन देशों– खासकर डेनमार्क की नाकामियां भी ध्यान खींचती रहीं। जबकि नई महाशक्ति के रूप में फ्रांस का उदय हुआ, जिसने पुलिस सिंगल्स और मिस्क्ड डबल्स के स्वर्ण पदक जीते। इस प्रतियोगिता का संदेश है कि बैडमिंटन जैसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा वाले खेल में अपनी हैसियत बनाए रखने के लिए नई प्रतिभाओं के निरंतर उदय की उर्वर जमीन अनिवार्य है। इस सदी में भारत का इस खेल में एक ताकत बनना बड़ी उपलब्धि रहा है। बड़े टूर्नामेंट्स में भारत की मजबूत उपस्थिति है, यह इस बार भी जाहिर हुआ। लेकिन सर्वोच्च सफलताओं की कसौटी पर अभी मंजिल दूर है। प्रतिभाओं की खोज, खिलाड़ियों के लगन, प्रायोजकों की मदद, और खेल के उचित माहौल के तालमेल से ही यह दूरी तय की जा सकेगी।

भारत में अमीर और गरीब की खाई बढ़ती जा रही

प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल भी लाल किले से भाषण दिया आत्मनिर्भर भारत की सबसे ज्यादा बात कही। लेकिन दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता पहले कभी भी इतनी नहीं रही है। इसी तरह मोदी जनधन खाते, आधार और मोबाइल के हवाले दावा करते हैं कि भारत में बड़ी आबादी को अर्थव्यवस्था से जोड़ा जा रहा है लेकिन असल में इतनी असमानता कभी नहीं रही। प्रधानमंत्री मोदी ने नारा दिया था कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा लेकिन भ्रष्टाचार का ऐसा इकोसिस्टम देश में इससे पहले कभी नहीं बना था। इन्सॉलवेंसी एंड बैंकरप्सी कोड यानी आईबीसी लूट का कानून है। इस कानून के आधार पर एनसीएलटी और एनसीएलएटी में जो हो रहा है वह दुनिया के सामने है। अभी देश के एक कारोबारी सुभाष चंद्रा की खबर आई है कि उनका 22 हजार करोड़ रुपए का कर्ज साढ़े छह करोड़ रुपए में सेटल हुआ है। याना 21 हजार नौ सौ 93 करोड़ से ज्यादा रुपए बट्टेखाते में गए हैं! लेकिन सरकार की उपलब्धि बताने वाले सुहेल सेठ जैसे लोग सोशल मीडिया में पोस्ट लिख रहे हैं कि पहले 2014 में बैंकों का एनपीए 11 फीसदी था और अब 0.4 फीसदी रह गया है। एनपीए कैसे कम नहीं रहेगा, जब हर साल बैंकों का बकाया बट्टेखाते में डाल दिया जाएगा या आईबीसी के जरिए उसे खत्म कर दिया जाएगा तो एनपीए कहां से होगा! सरकार ने पिछले 12 साल में 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बट्टेखाते में डाले हैं और हर साल हजारों करोड़ रुपए आईबीसी के जरिए साफ किए जा रहे हैं।

अगर आत्मनिर्भरता की बात करें तो दुनिया के देशों खास कर चीन पर भारत की निर्भरता इतनी बढ़ती जा रही है कि भारत उसका आर्थिक गुलाम बनने की ओर बढ़ रहा है। पहली बार चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया। यानी चीन को हम जितना सामान बेचते हैं उससे 10 लाख करोड़ रुपए ज्यादा का सामान खरीदते हैं। भारत की फार्मा इंडस्ट्री से लेकर कृषि सेक्टर तक ज्यादातर सेक्टर ऐसे हैं, जिनका काम चीन के भरोसे चल रहा है। जिन सेक्टर में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात कही जा रही है उसमें भी चीन के बगैर काम नहीं चलेगा। और यह स्थिति इसके बावजूद है कि चीन लगातार भारत की जमीन हड़प रहा है और भारत को पेट्रोलिंग प्वाइंट से पीछे कर रहा है। 2020 में गलवान में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारत के 20 जवान शहीद हुए थे। उसके बाद चीन से कारोबार बंद होना चाहिए तो तो कारोबार बढ़ता जा रहा है। नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने थे तब भारत अपनी जरुरत का 81 फीसदी तेल आयात करता था। उस समय मोदी ने कहा था कि भारत इस आयात को धीरे धीरे कम करेगा। उन्होंने कहा था कि भारत तेल की खोज और रिफाइनिंग क्षमता को बढ़ाएगा। लेकिन उलटा हुआ। तेल और प्राकृतिक गैस की खोज नहीं हुई उलटे ईंधन का आयात बढ़ कर लगभग 90 फीसदी पहुंच गया। तेल और गैस खोजने वाली भारत की सबसे बड़ी कंपनी ओएनजीसी का सारा कैश गायब हो गया और एक्सप्लोरेशन का काम लगभग ठप्प हो गया। ऊर्जा से लेकर उपकरण और एआई तक सबमें भारत दूसरे देशों पर निर्भर है।

शिक्षा कोरी नियुक्तिही नहीं, मुक्तिका माध्यम बने

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है

कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन–दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा–दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान–परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भारतीय शिक्षा–दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु–शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा।महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन–दृष्टि हो सकता है।

अन्न का आरोग्य और संस्कार के साथ सीधा संबंध

विनीत नारायण

हम तेजी से एक बीमार देश बनते जा रहे हैं। हम बीमारी को डाक्टरी इलाज से ठीक करने में लाखों रुपया गवां देते हैं लेकिन बीमारी के कारणों को समझ कर जड़ से खत्म करने की कवायद नहीं करते। जबकि सच्चाई यह है कि अगर हम अपने धर्मशास्त्रों के अनुसार अपने भोजन और दिनचर्या को संचालित करें तो आधुनिक जीवन की चकाचौंध के बीच भी हम पूरी तरह स्वस्थ रह सकते हैं।

आप भारत के किसी भी शहर या कस्बे में घूम कर देखिए तो सबसे ज्यादा दुकानें अंग्रेजी दवाओं की मिलेंगी या पैथोलॉजी टेस्ट और एमआरआई आदि करने वाले सेंटर मिलेंगे या पचासों नर्सिंग होम व अस्पताल मिलेंगे। जाहिर है कि हम तेजी से एक बीमार देश बनते जा रहे हैं। हम बीमारी को डाक्टरी इलाज से ठीक करने में लाखों रुपया गवां देते हैं लेकिन बीमारी के कारणों को समझ कर जड़ से खत्म करने की कवायद नहीं करते। जबकि सच्चाई यह है कि अगर हम अपने धर्मशास्त्रों के अनुसार अपने भोजन और दिनचर्या को संचालित करें तो आधुनिक जीवन की चकाचौंध के बीच भी हम पूरी तरह स्वस्थ रह सकते हैं।

हजारों सालों से ऋषि मुनियों ने अपने अनुभव और ज्ञान के आधार पर इन धर्मशास्त्रों की रचना की थी जो कलयुग के प्रारंभ में छिन्न–भिन्न हो गए। इसलिए नेमिशारण्य में शौनक ऋषि के नेतृत्व में देश भर के कोने–कोने से अठ्ठासी हजार ऋषि वहाँ ज्ञान चर्चा के लिए एकत्र हुए और लंबे व गहरे चिंतन व संवाद के बाद उस ज्ञान को लेकर पुनरू भारत के कोने–कोने में पहुँच गए। उनके द्वारा दिए गए ज्ञान का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ा और ये पद्धतियाँ समाज में स्वीकृत और प्रतिष्ठित हो गई, जिनके अनुसार हम आज भी कुछ सीमा तक आचरण कर रहे हैं।

उदाहरण के लिए फागुन पूर्णिमा को होलिकोत्सव करना, मकर संक्रांति के दिन तिल और गुड़ के लड्डू खाना और दान करना। सूर्य–चंद्र ग्रहण के समय खाना–पीना नहीं या फिर गणेश जी के पूजन के लिए दूर्वा का, शंकर जी के पूजन के लिए बेलपत्र का और विष्णु पूजन के लिए तुलसी पत्र का प्रयोग करना उसी परंपरा का प्रभाव है। इसी तरह विजयदशमी को शस्त्र पूजन करना, पाटी पूजन करना या विद्वानों को दक्षिणा देना, दीपावली के पहले अपने आवास की लिपाई–पुताई करना और लक्ष्मी पूजन के बाद दीपोत्सव करना। ये सब शास्त्र शुद्ध पद्धतियों का समावेश कर, जिन ग्रंथों की रचना की गई उन्हें धर्मशास्त्र कहते हैं। धर्म वही है जिसे प्रजा धारण करे यानी उसके अनुसार आचरण करे तो समाज को स्थिरता प्राप्त होती है।

यही बात हमारे दैनिक आहार और पाक–क्रिया पर भी लागू होती है। हमारा आहार शास्त्र और पाक शास्त्र धर्मशास्त्रों का ही एक महत्वपूर्ण अंग है। जरा सोचें कि अधिकांश लोगों का भोजन, दाल–चावल, रोटी–सब्जी होगा, यह किसने तय किया? दाल–सब्जी को छौंकने का आविष्कार किसने किया होगा? श्राद्ध में उड़द की दाल की पकौड़ी, कचौड़ी, इमरती खाना और होली के दिनों में खजूर और ज्वार खाना और चौत्र के महीने में कड़वे नीम का रस पीना ये किसने और कब तय किया होगा?इन परंपराओं को हम केवल अंधविश्वास से नहीं बल्कि अपने स्वास्थ्य को ठीक रखने के उद्देश्य से आज भी निभाते आ रहे हैं। इसी तरह दक्षिण भारत में इडली डोसा, महाराष्ट्र में वरण और भात, राजस्थान में दाल–बाटी और सैंगरी, गुजरात में भकड़ी और सुखड़ी, पंजाब में परांठे और लस्सी, उड़ीसा में पखालभात, बंगाल में माछ–भात, ये कैसे और कब हमारी दिनचर्या में आए और आज भी हम इनका पालन करते हैं।

इसी तरह, भोजन बनाने की विभिन्न पद्धतियां, विभिन्न मसालों का प्रयोग, शुद्ध घी या फिर सरसों, तिल या नारियल के तेल का प्रयोग, भोजन परोसने की विभिन्न पद्धतियां, उनको पकाने और खाने के लिए विभिन्न धातुओं के पात्रों का प्रयोग किसने और कब सिखाया होगा? युगों से जो हम करते आए हैं वह हमें बहुत ही सहज और स्वाभाविक लगता है। पर विचार करने पर आश्चर्य होता है कि उन ऋषियों की समग्र बुद्धि और सूक्ष्मता पर, जिन्होंने इस विज्ञान को स्थापित किया। भोजन बनाना, परोसना और उसका आस्वादन करना, यह तत्वज्ञान है, यह यज्ञ है, शास्त्र है, कौशल है, कला है, रसास्वादन है, प्राणों की पुष्टि है, इन्द्रियों और मन का सुख है और यह हमारा संस्कार है। एक साथ पोषण, तोषण, संस्कार, आनंद और आत्म दर्शन है।

अपनी संस्कृति के इन मूल तत्वों के कारण, भारत चिरंजीव बना है। इस वास्तविकता को अब पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। परंतु हम स्वयं ही आज इन बातों से विमुख हो गए हैं। मैकॉले की आजतक लागू शिक्षा पद्धति ने हमारी सोच को पूरी तरह बदल दिया है। अपने रीति–रिवाजों, परंपराओं, पद्धतियों और खान–पान व पहनावे का सम्मान करने की बजाए हम उनका उपहास करना, आलोचना करना और उपेक्षा करना अपने आधुनिक होने का प्रमाण मानते हैं। हम अन्न को पवित्र मानने के स्थान पर उसे बाजार में बिकने वाला एक सामान्य पदार्थ मानने लगे हैं। अन्न का आरोग्य और संस्कार के साथ सीधा संबंध है, इस बात को भूल कर केवल स्वाद की संतुष्टि के लिए ही उसे ग्रहण करते हैं।

इसलिए देश में अन्न का संकट और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का संकट बढ़ गया है। जैस कोई हीरे को पत्थर समझ कर फेंक दे, वैसे ही हमने अपने शास्त्रों को फेंक दिया है और पश्चिम की बाजारू संस्कृति के गुलाम बन गए हैं। हमारे दैनिक जीवन में ऑनलाइन आनेवाला भोजन इसका प्रमाण है। जिसका परिणाम है आधुनिक चिकित्सा का दिन–दूना और रात–चौगुना बढ़ता कारोबार। उपरोक्त ज्ञान का आधार पुनरुत्थान प्रकाशन सेवा ट्रस्ट, कांकरिया, अहमदाबाद से प्रकाशित एक अत्यंत मूल्यवान ग्रंथ श्आहारशास्त्रय है जो आज हर घर में होना चाहिए। मात्र पाँच सौ रुपए का यह ग्रंथ पढ़कर हर महिला अपने घर को निरोगी, सुखी व संपन्न बना सकती है।

इसी क्रम में याद आया कि कई बरस पहले अमरीका के कई बड़े शहरों में अपनी व्याख्यान माला के दौरान, लॉस एंजलेस से सैनहोजे की फ्लाइट में एक वृद्ध अमरीकी महिला, जो मेरे साथ बैठी थीं, उनसे मैंने पूछा कि वे कहाँ जा रही हैं? वे बोलीं अपनी नातिन के पास। क्योंकि वो फोन पर कहती है, नानी

आज का राशिफल

मेष राशि–

आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। ज्यादा व्यस्त रहने के कारण आप अपने आसपास ध्यान नहीं दे पाएंगे। अपनों के प्रति प्रेम और विश्वास बढ़ेगा।

वृष राशि–

आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज किसी भी कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो भविष्य में आने वाली परेशानियों से भी बच जाएंगे।

मिथुन राशि–

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप एक से अधिक स्रोतों से आय प्राप्त करेंगे। शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें। आज निवेश संबंधी मामलों को गति मिलेगी।

कर्क राशि–

आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपके बढ़ते खर्चे परेशानी का कारण बन सकते हैं। इसीलिए बजट बनाकर चलने का प्रयास करें। किसी संपत्ति का सौदा जल्दबाजी में न करें।

सिंह राशि–

आज का दिन आपके लिए शुभ फलदायक रहने वाला है। आपकी योजनाओं को गति मिलेगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी।

कन्या राशि–

आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता–पिता से सलाह लेंगे।

तुला राशि–

आपके लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आप जिम्मेदारियों को अच्छी तरह पूरा करने में सफल होंगे। ऑफिस के कामकाज निपटाने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे।

वृश्चिक राशि–

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज पास की किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं।

धनु राशि–

आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें।

मकर राशि–

आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। आज किसी कठिन काम को मेहनत, धैर्य और समझदारी से आसानी से निपटा लेंगे।

कुंभ राशि –

आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातें समझने का प्रयत्न करें। आज कोई बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। निकलवाने में सक्षम रहेंगे।

मीन राशि–

आज का दिन आपके लिए अच्छा है। ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए किसी से बात हो सकती है, इसमें आपको सफलता मिलेगी। आज आपके रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे।

वारदात के 48 घंटे में आरोपियों तक पहुंची पवई पुलिस, थानाध्यक्ष मनीष पाल की रणनीति रही कारगर

आजमगढ़ (आरएनएस)नाली में पानी बहाने को लेकर हुए विवाद में हरिओम पाण्डेय की मारपीट के बाद गला दबाकर हत्या किए जाने के मामले में पवई पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। त्वरित कार्रवाई के लिए थाना पवई के थानाध्यक्ष मनीष पाल और उनकी पुलिस टीम की सराहना की जा रही है।पुलिस के अनुसार, 4 सितंबर 2026 को चकिया बखरिया निवासी विरेन्द्र पाण्डेय ने थाना पवई में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि पूर्व में हुई कहासुनी को लेकर नाली के विवाद में यदुवंश मणि त्रिपाठी, रामलाल शर्मा एवं एक अभियुक्ता ने उनके करीब 30 वर्षीय पुत्र हरिओम पाण्डेय के साथ घर के दरवाजे पर मारपीट की और उसका गला दबा दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। विरोध करने पर परिजनों को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया था।मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन के पर्यवेक्षण में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम को सक्रिय किया गया।थानाध्यक्ष मनीष पाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लगातार दबिश और तलाश के बाद 6 सितंबर 2026 को तीनों नामजद आरोपियों को पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के पोल संख्या 187.8 स्थित नसोपुर अंडरपास से रात करीब 2रू52 बजे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से मामले में नामजद तीनों आरोपी 48 घंटे के भीतर कानून की गिरफ्त में आ गए।गिरफ्तार आरोपियों में यदुवंश मणि त्रिपाठी पुत्र उमाकान्त त्रिपाठी, रामलाल शर्मा पुत्र सहदेव शर्मा, दोनों निवासी चकिया बखरिया, थाना पवई, तथा एक अभियुक्ता शामिल हैं। आरोपियों के विरुद्ध थाना पवई में मु0अ0सं0 209ध2026, धारा 103(1)ध351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज है।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी यदुवंश मणि त्रिपाठी के विरुद्ध थाना पवई में पूर्व में भी मुकदमा दर्ज रहा है।थानाध्यक्ष की सक्रियता बनी कार्रवाई की अहम कड़ीहत्या जैसे गंभीर मामले में घटना के तत्काल बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम को सक्रिय करना और लगातार प्रयास करते हुए तीनों नामजद आरोपियों को 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार करना थाना पवई पुलिस की कार्यकुशलता को दर्शाता है। थानाध्यक्ष मनीष पाल के नेतृत्व में की गई त्वरित कार्रवाई को स्थानीय स्तर पर पुलिस की प्रभावी कार्यशैली के रूप में देखा जा रहा है।गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

ब्रह्मर्षि वेलफेयर एसोसिएशन के स्थापना दिवस पर गूंजा एकजुटता का संदेश

आजमगढ़

ब्रह्मर्षि वेलफेयर एसोसिएशन के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर जनपद के विभिन्न ब्लॉकों में कार्यक्रम एवं बैठकें आयोजित कर संगठन की मजबूती, सामाजिक एकजुटता और जरूरतमंदों की सेवा का संकल्प लिया गया। इस दौरान जिला संगठन के पदाधिकारियों के साथ संबंधित ब्लॉक कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।इसी क्रम में बिलरियागंज ब्लॉक की बैठक श्रीनगर स्थित राधा–कृष्ण शिव मंदिर परिसर में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ संगठन के जिला अध्यक्ष विवेक सिंह एवं ब्लॉक अध्यक्ष उमेश राय ने भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करके किया।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विवेक सिंह ने संगठन की विशेषताओं और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ब्रह्मर्षि वेलफेयर एसोसिएशन समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए हमेशा दस कदम आगे बढ़कर खड़ा रहेगा। समाज के गरीब एवं असहाय परिवारों के बच्चों की पढ़ाई की फीस, गंभीर बीमारी से जूझ रहे जरूरतमंदों के इलाज तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में संगठन अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहयोग करेगा।उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल लोगों को एक मंच पर जोड़ना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के सुख–दुख में सहभागी बनना है। जरूरत के समय किसी परिवार को अकेला महसूस न होने देना ही संगठन की वास्तविक ताकत होगी।कार्यक्रम में संरक्षक के रूप में उपस्थित जगदीश राय ने संगठन को गांव–गांव तक मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि समाज की एकजुटता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने और सामाजिक कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने की अपील की।इसी क्रम में तहबरपुर, रानी की सराय, हरैया तथा अजमतगढ़ ब्लॉकों में भी स्थापना दिवस के अवसर पर बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में जिला संगठन के पदाधिकारियों के साथ संबंधित ब्लॉक अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के सदस्यों ने भाग लिया। सभी स्थानों पर संगठन के उद्देश्यों, समाजहित में किए जाने वाले कार्यों तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने को लेकर विचार–विमर्श किया गया।बैठकों में उपस्थित सदस्यों ने समाज के गरीब, असहाय और जरूरतमंद परिवारों के साथ हर संभव सहयोग करने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही। इस दौरान उपस्थित लोगों ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की खुशहाली और मजबूती के लिए सभी को मिलकर आगे बढ़ना होगा।बिलरियागंज के कार्यक्रम में करीब 50 लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वातावरण श्रद्धा, अपनत्व और सामाजिक एकजुटता से सराबोर नजर आया। अंत में सभी उपस्थित लोगों को जलपान कराया गया।कार्यक्रम का समापन सभी लोगों ने एक स्वर में "भगवान परशुराम जी की जय" और "अपने समाज की जय" के उद्घोष के साथ किया।

प्राथमिक स्कूल तक जाने के रास्ते की दरकार, सपा नेता के नेतृत्व में बच्चों का बड़ा प्रदर्शन

मीरजापुर। जिले में एक अनोखा विरोध प्रदर्शन देखने को सामने आया है। यहां प्राथमिक विद्यालय तक जाने के रास्ते का अभाव होने की वजह से प्राथमिक विद्यालय जाने के लिए बच्चों को खेतों और कीचड़ के बीच से आना जाना पड़ता है। आश्चर्य कि बात है कि जनपद मुख्यालय करीब स्थित इस प्राथमिक विद्यालय की दुर्दशा और रास्ते के अभाव से उच्चाधिकारियों को अवगत कराएं जाने के बाद भी कोई समाधान नहीं हो पाया। विवश होकर सोमवार को सैकड़ों की संख्या में एकत्र स्कूली बच्चों ने स्कूल जाने के बजाए रास्ते में धरने पर बैठ गए। बताते चलें कि जनपद के सीटी ब्लाक अन्तर्गत चेरूईराम कम्पोजिट विद्यालय परिसर में आने जाने के लिए रास्ता नहीं है, जबकि इस विद्यालय में 470 बच्चे पढ़ते हैं और आये दिन पानी बरसने से बच्चे व अध्यापकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी के विरोध में आज समाजवादी पार्टी के नेता रोहित शुक्ला शलल्लूश सहित सपा के लोगों ने विद्यालय के सामने धरना देकर सरकार व सरकार में बैठे जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को अवगत कराया। इस दौरान भारी संख्या में बच्चे भी शामिल रहे हैं। सपा नेता रोहित शुक्ला ने कहा कि सरकार में बैठे हुए लोग छात्रों और गरीब, वंचित समाज के लोगों की समस्याओं से जानबूझकर अनभिज्ञ बने हुए हैं। उन्होंने प्राथमिक विद्यालय जाने वाले रास्ते के घोर अभाव को दर्शाते हुए कहा कि वर्षों से यह समस्या बनी हुई है, लेकिन अभी तक किसी भी शासन प्रशासन के अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इधर झांकने की जरूरत नहीं की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि अभिलंब रास्ते का समाधान करते हुए स्कूली बच्चों को सुगम रास्ता मुहैया नहीं कराया गया तो आने वाले दिनों में समाजवादी पार्टी के लोग जबरदस्त विरोध प्रदर्शन करने के साथ–साथ घेराव करने के लिए विवश होंगे। हालांकि बाद में प्रशासन और अन्य संबंधित सहित प्रधान के बीच बैठक कर रास्ता निर्माण के लिए सहमती बन गई है, देखना यह है कि यह पूर्ण होता है।

विद्युत तारों के आसपास पेड़ों की डालियों की छंटाई, पोल पर चढ़ी लताओं को भी हटाया

आजमगढ़ बरदह विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए रविवार को विद्युत विभाग की टीम ने विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान विद्युत तारों के आसपास बढ़ी पेड़ों की डालियों की छंटाई करने के साथ ही विद्युत पोल पर चढ़ी लताओं एवं बेलों को भी हटाया गया।अभियान में अवर अभियंता आतिश यादव के नेतृत्व में समस्त लाइन स्टाफ मौजूद रहा। टीम ने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर विद्युत लाइनों के आसपास फैली पेड़–पौधों की डालियों और लताओं को हटाकर विद्युत तारों को सुरक्षित किया। विभाग के इस अभियान से विद्युत फाल्ट की संभावनाओं को कम करने और निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने में मदद मिलेगी।

इस दौरान अवर अभियंता आतिश यादव, राजकुमार, सुरेंद्र, सोनू सिंह, मैन प्रताप सिंह, सन्दीप, प्रदीप, विजय राय, मुन्ना एवं मनीष राय सहित लाइन स्टाफ मौजूद रहा।जेई आतिश यादव ने कहा कि विद्युत तारों के संपर्क में आने वाली पेड़ों की डालियां और पोल पर चढ़ी लताएं कई बार विद्युत फाल्ट का कारण बनती हैं। इन्हें समय–समय पर हटाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उपकेंद्र क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था को सुरक्षित और बेहतर बनाए रखने के लिए इस तरह का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि विद्युत लाइनों के आसपास पेड़–पौधों की डालियां बढ़ने पर विभाग को इसकी सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

तालाब में मिला मछली पालक का शव

आजमगढ़ पवई थाना क्षेत्र के बखरिया ग्राम पंचायत में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब मछली पालन की रखवाली करने वाले एक युवक का शव तालाब में मिला। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। परिजनों ने युवक की हत्या किए जाने की आशंका जताई है।जानकारी के अनुसार पवई थाना क्षेत्र के बखरिया ग्राम पंचायत निवासी पवन गिरी (32) पुत्र प्रेम गिरी मछली पालन के तालाब की रखवाली करता था। बताया जा रहा है कि घर से करीब 500 मीटर दूर स्थित तालाब में उसका शव मिला। प्रथम दृष्टया युवक की मौत तालाब में डूबने से होने की बात सामने आ रही है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, परिजनों ने युवक की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच की मांग की है।बताया जाता है कि मृतक चार भाइयों में सबसे बड़ा था। उसकी पत्नी पहले ही उसे छोड़कर चली गई थी।इस संबंध में पवई थानाध्यक्ष मनीष पाल ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का पता चलेगा। रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अजब गजब बिना चलाए पानी दे रहा हैंडपंप, देखने वालों की लगी भीड़

मीरजापुर। जिले से एक हैरतअंगेज खघ्बर सामने आई है जहां हलिया रेंज के गुर्गी वन चौकी परिसर में लगा सरकारी हैंडपंप इन दिनों कौतूहल का विषय बना हुआ है। बिना हैंडपंप चलाए ही उससे लगातार पानी निकल रहा है। हैंडपंप के पास जमीन से भी तेज धार में पानी फूटने से आसपास के लोग इसे देखने के लिए पहुंच रहे हैं। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में लगातार हुई बारिश के कारण जमीन के भीतर जलस्तर काफी बढ़ गया है। इसी वजह से भूमिगत पानी के दबाव के चलते हैंडपंप से स्वतः पानी निकल रहा है। वहीं, हैंडपंप के बगल में जमीन से भी पानी की तेज धार निकलती दिखाई दे रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह का नजारा उन्होंने पहली बार देखा है। बिना चलाए पानी देता हैंडपंप और जमीन से निकलती पानी की धार लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचकर इस अनोखे नजारे को देख रहे हैं।

ड्रमंडगंज घाटी में फिर हुआ बड़ा हादसा, एक की मौत

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। हादसों की घाटी के रुप में विख्यात हो चुए यूपी–एमपी की सरहद को जोड़ने वाले मिर्जापुर की ऊंची पहाड़ी पर स्थित ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के वाराणसी–रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग 135 स्थित ड्रमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ घुमान पर रविवार को तड़के 05 बजे के करीब गिट्टी लदे ट्रेलर का अचानक ब्रेक फेल हो गया। अनियंत्रित ट्रेलर बगल से गुजर रहे पिकप वाहन व आगे चल रहे मिर्च लदे ट्रक में टक्कर मार दी। हादसे में ट्रेलर व मिर्च लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। वहीं घटना में मध्य प्रदेश निवासी पिकप वाहन चालक रावेंद्र बसोर की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच करते हुए घाटी में पलटे ट्रक व ट्रेलर को जेसीबी मशीन व क्रेन की मदद से किनारे हटवाया गया। बता दें कि मध्यप्रदेश के सीधी जिले से गिट्टी लादकर बिहार के छपरा जिला जा रहा ट्रेलर जैसे ही ड्रमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ घुमान पर पहुंचा ही था कि अचानक ब्रेक फेल हो गया। अनियंत्रित ट्रेलर बगल से गुजर रहे नारियल लदे पिकप वाहन को टक्कर मारते हुए आगे चल रहे मिर्च लदे ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में मिर्च लदा ट्रक व ट्रेलर बड़का मोड़ घुमान पर पलट गया। घटना में मध्य–प्रदेश के रीवा जिले के गूढ़ थाना के गूढ़ निवासी 36 वर्षीय पिकप वाहन चालक रावेंद्र बसोर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई व पिकप वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं कानपुर देहात जिले के राजपुर गांव निवासी ट्रक चालक 44 वर्षीय हाकिम सिंह के सिर में चोटें आई हैं। घटना में गाजीपुर जिले के सादियाबाद थाना क्षेत्र के सराय गोकुल गांव निवासी 30 वर्षीय ट्रेलर चालक भैया लाल यादव के सिर, चेहरे व पैर में गंभीर चोटें आई हैं जबकि साथ में मौजूद खलासी तारा यादव निवासी गाजीपुर को सामान्य चोटें आई हैं।घायल ट्रेलर चालक को एनएचएआई की एंबुलेंस से उपचार हेतु सीएचसी लालगंज भिजवाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने गंभीर चोट को देखते हुए ट्रेलर चालक को मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। हादसे में घायल ट्रक चालक हाकिम सिंह ने बताया कि तेलंगाना से मिर्च लादकर गोरखपुर जा रहा था कि ड्रमंडगंज घाटी में गिट्टी लदे ट्रेलर ने पीछे से टक्कर मार दी जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर बड़का मोड़ पर पलट गया।घटना में सिर में चोटें आई हैं, संयोग था कि ट्रक में मौजूद खलासी अकबर निवासी वारंगल, तेलंगाना हादसे में बाल बाल बच गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हलिया में पुलिस ने उपचार करवाया है हालत सामान्य है। सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक ड्रमंडगंज राजेश कुमार एसआइ पुनीत गुप्ता, हेड कांस्टेबल घनश्याम यादव, इंद्रजीत यादव, कुलदीप कुमार ने घाटी में पलटे ट्रक व ट्रेलर को जेसीबी व क्रेन की मदद से राष्ट्रीय राजमार्ग से किनारे हटवाया। सूचना पर मृतक पिकप वाहन के परिजन भी थाने पहुंच गए।

नाली में पानी बहाने के विवाद में हत्या, तीन नामजद गिरफ्तार

पवई थाना क्षेत्र के चकिया बखरिया गांव में नाली में पानी बहाने को लेकर हुए विवाद में हरिओम पाण्डेय की कथित तौर पर गला दबाकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने 48 घंटे के भीतर तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक 4 सितंबर को मृतक के पिता वादी वीरेंद्र पाण्डेय ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि पूर्व में हुई कहासुनी के बाद यदुवंश मणि त्रिपाठी, रामलाल शर्मा और एक अभियुक्ता ने उनके पुत्र के साथ घर के दरवाजे पर मारपीट की और उसका गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।मामले में थाना पवई पर मुकदमा अपराध संख्या 209ध2026, धारा 103(1) और 351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने रविवार को तीनों नामजद आरोपियों को पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के पोल संख्या 187.8 स्थित नसोपुर अंडरपास से करीब 2रू52 बजे गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है।गिरफ्तार आरोपियों में यदुवंश मणि त्रिपाठी और रामलाल शर्मा निवासी चकिया बखरिया तथा एक अभियुक्ता शामिल है।

अंतिम समय में गुरु के अलावा कोई मददगार नहीं होगा संत पंकज महाराज

लालगंज, मीरजापुर। जयगुरुदेव शाकाहार–सदाचार जनजागरण यात्रा के तहत संत पंकज जी महाराज ने सोमवार को नेवढ़िया गांव के मैदान में 18वें पड़ाव के दौरान सत्संग किया। कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। ग्रामीणों ने बैंड–बाजे, दीप प्रज्वलित कलश और पुष्पवर्षा कर संत पंकज जी महाराज का स्वागत किया। सत्संग में संत पंकज जी महाराज ने कहा कि बड़े सौभाग्य से मनुष्य को अनमोल मानव तन मिला है। यह किराये का मकान है, जिसे एक दिन खाली करना पड़ेगा। धन–दौलत, मकान और जमीन–जायदाद यहीं रह जाएगी। अंतिम समय में गुरु के अलावा कोई मददगार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कलियुग में मनुष्य की आयु और शारीरिक बल घटा है जबकि मन की चंचलता बढ़ गई है। उन्होंने सुरत–शब्द योग (नाम–योग) को प्रभु प्राप्ति का सरल मार्ग बताते हुए मानव जीवन को सार्थक बनाने का आह्वान किया। समाज में बढ़ती हिंसा और अपराध पर चिंता जताते हुए कहा कि अशुद्ध खान–पान और महात्माओं की शिक्षाओं से दूरी के कारण स्थिति बिगड़ी है। जाति–पाति के नाम पर लड़ने से नफरत के अलावा कुछ हासिल नहीं हुआ। मानव धर्म अपनाकर चरित्रवान बनना जरूरी है।उन्होंने शाकाहारी रहने, शराब समेत नशे से दूर रहने और युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने की अपील की। कहा कि भयावह समय से बचने के लिए भजन जरूरी है। प्रभु की भक्ति से जन्म–मरण के बंधन से मुक्ति मिल सकती है।उन्होंने 17 से 21 दिसंबर तक मथुरा में होने वाले वार्षिक भंडारा सत्संग मेले में पहुंचने का निमंत्रण दिया। इस दौरान घूरन प्रसाद, मोतीलाल सिंह, अमरनाथ यादव, राजबली पाल, कृष्ण कुमार पाल, उमाशंकर सिंह और जयेन्द्र प्रताप सिंह एडवोकेट समेत अन्य मौजूद रहे।

आजमगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार, 15 मुकदमों का आरोपी तमंचे संग दबोचा

आजमगढ़ (आरएनएस) जिले में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आजमगढ़ पुलिस ने रविवार को अलग–अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए हत्या, किशोरी को बहला–फुसलाकर भगाने और अवैध असलहा रखने के मामलों में वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं, पुलिस ने गुम हुए 354 एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद कर उनके स्वामियों को सुपुर्द किया। 15 मुकदमों में आरोपी गौ–तस्कर तमंचे के साथ गिरफ्तार जहानागंज पुलिस ने एक शातिर आरोपी को अवैध तमंचे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी मो. तालिब उर्फ तालिव उर्फ छोटू पुत्र फिरोज अहमद, निवासी पिठापुर, थाना अहरौला, उम्र करीब 30 वर्ष है।पुलिस ने उसे जलालपुर हरिजन बस्ती के पास से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से .315 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इस संबंध में थाना जहानागंज में मुकदमा अपराध संख्या 190ध2026, धारा 3ध25 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है।पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ आजमगढ़, अयोध्या, गोण्डा और प्रतापगढ़ में गोवध निवारण अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में कुल 15 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेजा गया। किशोरी को बहला–फुसलाकर भगाने के मामले में आरोपी गिरफ्तार रौनापार थाना पुलिस ने किशोरी को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले जाने के मामले में वांछित आरोपी अखिलेश यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 5 जुलाई 2026 को पीड़िता के परिजनों ने तहरीर दी थी कि अखिलेश यादव पुत्र रामकुवर यादव उर्फ कुँवर यादव, निवासी देवारा इस्माइलपुर, थाना रौनापार, उनकी किशोरी पुत्री को बहला–फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। तहरीर के आधार पर थाना रौनापार में मुकदमा अपराध संख्या 183ध2026, धारा 137(2) और 87 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पीड़िता की बरामदगी, मेडिकल परीक्षण और बयान के आधार पर मुकदमे में धारा 64(1), 115(2), 352, 351(3), 324(4) बीएनएस तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 3ध4 की बढ़ोतरी की गई।पुलिस टीम ने रविवार को आरोपी अखिलेश यादव, उम्र करीब 30 वर्ष, को ग्राम बेलहिया ढाला से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। 354 गुम मोबाइल बरामद, स्वामियों को किए गए सुपुर्द

आजमगढ़ पुलिस ने गुम हुए मोबाइल फोन बरामद करने के अभियान के तहत रविवार को 354 एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 81 लाख रुपये बताई गई है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन ने रिजर्व पुलिस लाइन आजमगढ़ में बरामद मोबाइल फोन उनके स्वामियों को सुपुर्द किए।पुलिस के अनुसार फरवरी 2024 से जनपद में गुमशुदा मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। मोबाइल धारकों द्वारा सीईआईआर पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जाती है, जिसके आधार पर पुलिस मोबाइलों की बरामदगी का प्रयास करती है।पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2026 में अब तक कुल 2,133 एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 5 करोड़ 7 लाख 75 हजार रुपये है। वहीं फरवरी 2024 से अब तक कुल 5,770 एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत करीब 13 करोड़ 76 लाख रुपये बताई गई है। बरामद मोबाइल फोन उनके स्वामियों को सुपुर्द किए जा चुके हैं।

जिलाधिकारी ने ई0वी0एम0ध्वी0वी0पैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण कर लिया जायजा

श्रावस्ती। भारत निर्वाचन आयोग के मंशानुसार मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0, लखनऊ के निर्देशानुसार जिला मजिस्ट्रेटध जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने जनपद मुख्यालय पर कलेक्ट्रेट में स्थित ई0वी0एम0ध्वी0वी0पैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान जिला मजिस्ट्रेट ने वेयर हाउस में रखे बैलेट यूनिट, कन्ट्रोल यूनिट तथा वी0वी0पैट की सतत् निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था को बनाये रखने तथा सीसीटीवी कवरेज के डी0वी0आर0 के सतत् संचालन व रिकार्डिंग के भी निर्देश दिये है। इस अवसर पर अपर जिला मजिस्ट्रेट ललित कुमार, भाजपा से जिलामंत्री राकेश मिश्रा, सपा से जिलाध्यक्ष सर्वजीत यादव, कांग्रेस के यशोदा नन्दन शर्मा, आम आदमी पार्टी से राहुल शुक्ला सहित निर्वाचन कार्यालय के सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, वरिष्ठ सहायक, कनिष्ठ सहायक व अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

महिला शिक्षक संघ हरितालिका तीज महोत्सव आयोजित

मीरजापुर। अखिल भारतीय महिला शिक्षक संघ के तत्वावधान में रविवार को पुलिस लाइन स्थित एक लान में जिला स्तरीय हरितालिका तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पद्मश्री विभूषित श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव का आगमन हुआ। मुख्य अतिथि का स्वागत बुके देकर जिलाध्यक्ष सुष्मिता जायसवाल व महामंत्री नमिता सिंह के द्वारा किया गया। माल्यार्पण नीता जायसवाल व अंग वस्त्र कोषाध्यक्ष गुंजन सिंह के द्वारा प्रदान किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि को बैच अलंकृत सत्यम्वदा जी के द्वारा किया गया। जिन्होंने अपने संबोधन और आशीष वचन के साथ–साथ कजरी गायन की महत्वा पर प्रकाश डालते हुए कजरी गायन से तीज महोत्सव कार्यक्रम रंगा रंग बनाया। इस दौरान कजरी की अन्य प्रस्तुतियों में रश्मि, श्रुति, नंदीनी, राधा जी, दीपमाला के द्वारा समा बांध दिया गया। सभी शिक्षिका बहनों के लिए अनेक मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम और द्वितीय विजेता को पुरस्कृत किया गया। गतिविधियों में मार्गदर्शक की भूमिका, राधा और प्रतिक्षा ने निभाई। कार्यक्रम की तीज क्वीन का खिताब उषा श्रीवास्तव को प्राप्त हुआ।

निर्माणाधीन अडानी पावर प्लांट में काट्रेक्टर की संदिग्ध मौत, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

मड़िहान मीरजापुर। थाना क्षेत्र के ददरी गांव में निर्माणाधीन अडानी पावर प्लांट परिसर में रविवार सुबह एक बड़ी घटना सामने आई। प्लांट में निर्माण कार्य करा रही डीएनआर कंपनी के मालिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिससे पूरे प्लांट परिसर में हड़कंप मच गया। घटना के बाद से प्लांट में काम कर रहे सैकड़ों मजदूरों और कर्मचारियों में दहशत और शोक का माहौल है।जानकारी के अनुसार मृतक असम निवासी 45 वर्षीय मधुकर, डीएनआर कंपनी के मालिक हैं। उनकी कंपनी पिछले कई महीनों से मड़िहान के ददरी गांव में निर्माणाधीन अडानी पावर प्लांट में सिविल और स्ट्रक्चर का निर्माण कार्य करा रही है। रविवार सुबह करीब 09 बजे वह रोज की तरह प्लांट परिसर में साइट पर मौजूद थे और काम देख रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह अचेत होकर जमीन पर गिर पड़े। यह देख मौके पर मौजूद इंजीनियरों और मजदूरों में अफरा– तफरी मच गई। कर्मचारियों ने आनन–फानन में निजी वाहन से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़िहान पहुंचाया। जहां पर मौजूद चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही प्लांट के वरिष्ठ अधिकारी भी सीएचसी पहुंच गए। घटना की सूचना मिलते ही मड़िहान थाना प्रभारी रविन्द्र भूषण मौर्य पुलिस फोर्स के साथ अस्पताल पहुंचे और शव का पंचनामा की कार्रवाई पूरी की।।

शोपीस बनी पानी की टंकी ग्रामीण परेशान

श्रावस्ती। विकास खण्ड जमुनहा के ग्राम के मजरा द्वारिका गांव बाग में बनी पानी की टंकी ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन गई है। आरोप है कि ऑपरेटर कभी–कभी ही जलापूर्ति करता है। इससे करीब 15 हजार की आबादी प्रभावित हो रही है।

द्वारिका गांव बाग में बनी पानी की टंकी से ही जमुनहा बाजार, जमुनहा गांव, रानीपुरवा, रामजानकी मंदिर, काली मां मंदिर, गांधी चौक, भरत मिलाप चौराहा, वासुदेव चौराहा, होलिका दहन तिराहा, बड़का फत्तेपुर, नई बस्ती, ईदगाह, द्वारिका गांव, विधायक पुरवा, भवनियापुर, काशीराम पुरवा आदि कस्बा व मजरों में पानी की आपूर्ति मिलती है। इसके निर्माण का उद्देश्य करीब 15 हजार की आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना था। स्थानीय लोगों के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत टंकी तो बना दी गई, लेकिन उसका संचालन सही ढंग से नहीं किया जा रहा है। यहां सुबह–शाम नियमित जलापूर्ति न कर आपरेटर मन मर्जी से ही आपूर्ति देता है। जिससे लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले भीषण गर्मी और अब बारिश के मौसम में भी उन्हें हैंडपंप का ही सहारा लेना पड़ रहा है। महिलाओं को दूर से पानी लाना पड़ता है। कई बार शिकायत के बाद भी जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं।

सीएम ने गरीबों, किसानों, नौजवानों, महिलाओं, व्यापारियों और साधु-संतों को किया आश्वस्त

चित्रकूट। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर में बाढ़ प्रभावित 800 परिवारों को राहत सामग्री, बाढ़ में आश्रयहीन हुए परिवारों को आवास के लिए भूमि आवंटन प्रमाण पत्र एवं आपदा मोचक निधि से राहत राशि का वितरण कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट की पावन धरा को नमन करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम ने लगभग 12 वर्ष जिस धरा पर रहकर ऋषि मुनियों के सानिध्य में राम राज्य की परिकल्पना को साकार किया था, कामतानाथ की परिक्रमा के माध्यम से जहां हर श्रद्धालु अपने जीवन की मनोकामना की पूर्ति करता है और मां मंदाकिनी में पावन स्नान करके जहां प्रत्येक सनातनधर्मी अपने जीवन को धन्य करता है ऐसी पावन चित्रकूट को हजारों वर्षों से ऋषि मुनियों के पवित्र साधना की स्थल बनने का गौरव प्राप्त हुआ है उस धरा को कोटि–कोटि नमन है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की भारतीय जनता पार्टी की सरकार की ओर से आश्वस्त करने के लिए आया हूं की आपदा की इस घड़ी में अकेले नहीं है बल्कि डबल इंजन सरकार साथ खड़ी है। हवाई सर्वेक्षण और रामघाट सहित अगल–बगल के क्षेत्रों का निरीक्षण करके आपदा की इस त्रासदी को देखा है। जिस दिन यहां पर अचानक पानी आया था उस दिन वे बलिया में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर थे। जैसे आपदा का पता लगा वे तत्काल लखनऊ में डीजी पीएसी को कहकर एसडीआरएफ और पीएसी की अतिरिक्त कंपनियां जो लड कंट्रोल करती है और बचाव के कार्यों को तेजी के साथ बढ़ाती हैं उनको चित्रकूट के लिए रवाना करवाया। यहां के जिला प्रशासन के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा की। कहा कि गत वर्ष मात्र 307 मिलीमीटर बरसात हुई थी। इस बार इसका जो स्केल है ठीक इसके दुगना 660 मिलीमीटर से अधिक बरसात एक ही दिन में हुई। यहां पर दुकानों, घरों, खेती को नुकसान पहुंचा है। मंदिर क्षतिग्रस्त हुए। मध्य प्रदेश की ओर एक पक्का पुल बह गया है। कहा कि बैठक लेने के बाद फिर प्रशासन से इसके बारे में निर्देश देंगें। वास्तव में जब भी नदी के कैचमेंट एरिया में निर्माण कार्य करेंगे तो नदी अपना स्वाभाविक रूप जब लेगी तो जो भी अतिक्रमण होगा और जो भी उसके दायरे में होगा सब नदी के साथ बह करके जाएगा हमें कैचमेंट एरिया में किसी भी प्रकार के ऐसे निर्माण से बचाव करना होगा। दूसरा नदी के स्वाभाविक प्रवाह के लिए रास्ता देना होगा। कहा कि प्रभु मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम व कामतानाथ, हनुमान जी की .पा है और यहां के ऋषि मुनियों की तप का परिणाम है कि कोई जनहानि नहीं हुई। अन्यथा जितना पानी था वह व्यापक जन धन की हानि का कारण बन सकता था। कहा कि नुकसान जो भी हुआ होगा उन सबको सरकार की ओर से सहयोग करने की व्यवस्था करेंगे। कार्यक्रम में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जिले के प्रभारी मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी, विधायक मानिकपुर अविनाश चन्द्र द्विवेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक पंकज अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, उपाध्याय, पूर्व विधायक आनंद शुक्ला मौजूद रहे।

मेरठ के मंदिर में कान्हा जी की छठी मनाने की तैयारी, 5000 श्रद्धालुओं के लिए तैयार हो रहा प्रसाद

मेरठ। कान्हाजी की छठी पर शहर भर में भंडारे आयोजित होते हैं, लेकिन एक जगह ऐसी है जहां यह आयोजन वार्षिक कार्यक्रम के रूप में बड़े ही व्यापक स्तर से मनाया जाता है। शहर के बेगमबाग इलाके में प्राचीन शिव मंदिर में कान्हा जी की छठी विशाल स्तर पर तैयारी की जा रही है। बेगमबाग में स्थापित इस मंदिर का इतिहास स्वतंत्रता मिलने से पूर्व का है। इस मंदिर की स्थापना 28 जून 1930 में हुई थी। शिव मंदिर की व्यवस्था से जुड़े दवा व्यापारी विपिन बंसल कहते हैं कि मंदिर में कान्हा जी की छठी नौ सितंबर को मनाई जाएगी। यह कार्यक्रम मंदिर के वार्षिक आयोजन के रूप में सबसे विशाल व भव्यता से किया जाता है। छठी की तैयारी मंदिर में एक सप्ताह पूर्व ही शुरू हो जाती है। मंदिर में लगभग पांच हजार श्रद्धालुओं के लिए भंडारा व प्रसाद तैयार किया जा रहा है। इसमें मुख्य रूप से 25 प्रकार के मिष्ठान, 11 प्रकार की नमकीन, पांच प्रकार के लड्डू, तीन तरह के हलुवा, चार सब्जी–कचौरी व अन्य व्यंजन तैयार किए जा रहे हैं। नौ सितंबर को मंदिर में दोपहर ढ़ाई बजे से प्रसाद वितरण शुरू होगा, जो देर रात तक जारी रहेगा।

शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक में पात्रों का नाम जोड़ने एक अपात्रो का नाम हटाने का किया गया अपील

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी वैभव मिश्रा की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की आयोजित बैठक में विधान परिषद के 06 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली एवं निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में बताया गया कि निर्वाचक नामावली के अंतिम प्रकाशन में कुल 3,433 मतदाताओं में से 946 मतदाताओं के नाम, विवरण में संशोधन किया गया है। वर्तमान में निर्वाचक नामावली में अभी तक किसी भी मतदाता का परिवर्धन अथवा विलोपन नहीं किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील किया कि वे अपने–अपने स्तर से निर्वाचक नामावली का अवलोकन कर पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने तथा अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करें। जिससे निर्वाचक नामावली को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाया जा सके।बैठक के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से 01 नवंबर 2025 को आधार मानकर तैयार की गई निर्वाचक नामावली के संबंध में शिकायत अथवा आपत्ति के बारे में जानकारी ली गई। इस पर उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा कोई शिकायत अथवा आपत्ति नहीं होना बताया गया। अपर जिलाधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं शुचिता बनाए रखने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचक नामावली का शुद्ध एवं अद्यतन होना स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन की महत्वपूर्ण आधारशिला है। बैठक में नूरुल हुदा आम आदमी पार्टी, राम अवध यादव जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी, केशव नाथ उपाध्याय जिला संयोजक चुनाव प्रबंधन भारतीय जनता पार्टीय देव दीपक मिश्रा प्रतिनिधि, कांग्रेस, अयोध्यानाथ श्रीवास्तव कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी, सुभाष भास्कर बहुजन समाज पार्टी, गौरी शंकर उर्फ बबलू जायसवाल समाजवादी पार्टी सहित निर्वाचन कार्यालय से प्रधान सहायक सैयद शशि कुमार मद्देशिया, कम्प्यूटर सहायक सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिवान में गूंजी मासूम की किलकारी,टहलने निकले ग्रामीण ठिठके, झाड़ियों के बीच नवजात को देख उमड़ी भीड़

मड़िहानध्मीरजापुर। मलुआ गांव के सिवान में सोमवार सुबह उस समय लोगों के कदम अचानक ठहर गए, जब टहलने निकले ग्रामीणों के कानों में एक नवजात शिशु के रोने की आवाज पड़ी। खेतों और सिवान की खामोशी के बीच गूंज रही मासूम की किलकारी सुनकर ग्रामीण आवाज की दिशा में पहुंचे तो वहां कपड़े से लिपटा नवजात शिशु को देखकर हैरान रह गए। सुबह मार्निंग वाक पर निकले लोगों ने जब मासूम को देखा तो देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। किसी को समझ नहीं आ रहा था कि आखिर जन्म के कुछ ही समय बाद इस नन्ही जान को खुले सिवान में कौन और किन परिस्थितियों में छोड़ गया। मासूम के रोने की आवाज सुनकर वहां मौजूद लोगों का कलेजा पसीज उठा। ग्रामीणों ने मानवता दिखाते हुए सूचना पुलिस को दी। वहीं घटना की जानकारी गांव में फैलते ही तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। सिवान में मिली इस नन्ही जिंदगी को देखकर लोगों के मन में एक ही सवाल उठता रहा कि जिस मासूम ने अभी दुनिया को ठीक से देखा भी नहीं, आखिर उसे इस तरह अकेला छोड़ने की मजबूरी क्या रही होगी। मासूम की किलकारी ने जहां पूरे इलाके का ध्यान अपनी ओर खींच लिया, वहीं घटना ने लोगों को भावुक भी कर दिया।

ककरद में महुआ के पेड़ पर लटकता मिला नेवढ़िया निवासी युवक का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

मड़िहान, मीरजापुर। संतनगर थाना क्षेत्र के ककरद गांव में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक 20 वर्षीय युवक का शव महुआ के पेड़ पर फंदे से लटकता मिला। शव मिलने की सूचना पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच–पड़ताल शुरू की। मृतक की पहचान शिवम विश्वकर्मा (20) पुत्र सुरेंद्र विश्वकर्मा, निवासी नेवढ़िया गांव के रूप में हुई है। बताया गया कि नेवढ़िया गांव से ककरद गांव स्थित घटनास्थल की दूरी करीब आठ किलोमीटर है। युवक का शव ककरद गांव में महुआ के पेड़ पर फंदे से लटकता मिला। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। युवक की मौत को लेकर परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि शिवम की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और पूरे मामले की गहन जांच कर सच्चाई सामने लाई जानी चाहिए। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

सपा प्रतिनिधिमंडल के साथ सहारनपुर जा रहे अतुल प्रधान हाउस अरेस्ट, पुलिस से नोकझोंक

मेरठ। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के ध्वस्तीकरण के मामले में सोमवार को सहारनपुर जा रहे सपा के 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सरधना विधायक अतुल प्रधान को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। विधायक को रोके जाने के बाद उनके आवास पर पुलिस अधिकारियों और अतुल प्रधान के बीच जमकर नोकझोंक हुई।सहारनपुर जाने से रोकने का विरोधअतुल प्रधान ने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताई और सहारनपुर जाने से रोके जाने का विरोध किया। वह सपा प्रतिनिधिमंडल के साथ मौके पर जाने और मामले की जानकारी लेने के लिए रवाना होने वाले थे। अतुल प्रधान को हाउस अरेस्ट किए जाने के बाद उनके आवास के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस–प्रशासन सपा प्रतिनिधिमंडल के सहारनपुर दौरे को लेकर सतर्क रहा।मस्जिद प्रकरण पर मेरठ से सहारनपुर तक सियासी हलचलकलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के ध्वस्तरण के बाद विपक्षी दलों की ओर से लगातार प्रतिक्रिया सामने आ रही है। इसी कड़ी में सपा प्रतिनिधिमंडल के सहारनपुर दौरे को लेकर पुलिस की कार्रवाई के बाद मेरठ से सहारनपुर तक राजनीतिक हलचल और तेज हो गई है।

मेरठ में 7वीं क्लास के बच्चे की हार्टअटैक से मौत स्कूल के बाथरूम में अंदर पड़ी थी लाश

मेरठ। मेरठ के मवाना थानाक्षेत्र में बसंत वैली पब्लिक स्कूल में 7वीं क्लास के बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की डेडबॉडी स्कूल के वॉशरूम में अंदर पड़ी मिली। टीचर्स, पैरेंट्स आनन–फानन में बच्चे को डॉक्टर्स के पास लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार हार्टअटैक आने से बच्चे की मौत हुई है। बच्चे के घरवालों ने किसी भी प्रकार की पुलिस प्रक्रिया से इंकार कर दिया।

पूरी घटना सोमवार की है। यहां बसंत वैली स्कूल में मवाना के मोहल्ला काबिली गेट कलावदा रोड निवासी धर्मेंद्र शर्मा का बेटा कुनाल शर्मा पढ़ता है। 13 साल कुनाल स्कूल में सातवीं क्लास का स्टूडेंट था। कुनाल घर से स्कूल पिक एंड ड्रॉप के लिए ईरिक्शा से आता जाता था। सोमवार को जब स्कूल की छुट्टी हुई तो बाहर ईरिक्शा वाला कुनाल का इंतजार करने लगा।

सारे बच्चे आकर ईरिक्शा में बैठ गए लेकिन कुनाल नहीं आया। लगभग 15 मिनट इंतजार करने के बाद भी जब कुनाल बाहर नहीं आया तो ईरिक्शा चालक खुद स्कूल में अंदर गया। उसने अंदर जाकर कुनाल को तलाशना शुरू किया। पहले उसने कुनाल को उसके क्लासरूम में देखा लेकिन बच्चा नहीं मिला। तब एक बच्चे ने बताया कि कुनाल वॉशरूम गया था। इसके बाद ईरिक्शा चालक वॉशरूम की तरफ गया। देखा तो बाथरूम का दरवाजा अंदर से बंद था। उसने दरवाजा खटखटाया लेकिन वो नहीं खुला। इस बीच स्कूल स्टाफ भी वहां आ गया। स्टाफ और ईरिक्शा चालक ने मिलकर काफी देर तक कुनाल को आवाज लगाई। दरवाजा नॉक किया लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई।

तब स्टाफ ने छत के रास्ते से ऊपर जाकर बाथरूम में अंदर झांका। देखा तो वहां कुनाल जमीन पर पड़ा था। अंदर से बाथरूम का दरवाजा खोलकर कुनाल को बाहर निकाला गया। कुनाल बिल्कुल बेहोश था उसकी सांस भी नहीं चल रही थी। सभी लोग घबरा गए, तुरंत बच्चे के परिजनों को कॉल कर घटना की जानकारी दी गई। कुनाल के पापा धर्मेंद्र स्कूल पहुंचे। वहां से बच्चे को फौरन पास ही दो अलग–अलग क्लीनिकों में निजी डॉक्टरों के पास लेकर गए। दोनों डॉक्टरों ने बच्चे को मृत बताया। इसके बावजूद परिवार अपनी तसल्ली के लिए बच्चे को लेकर फौरन मवाना से मेरठ सुशीला जसवंत राय अस्पताल आया।

तीन साल से चकमा दे रहा साल्वर गैंग कामोनू उर्फ प्रशान्त कुमार सिंह को मेरठ पुलिस ने दिल्ली से धरा

मेरठ। प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर आउट कराने और सॉल्वर के माध्यम से अभ्यर्थियों को फर्जी तरीके से पास कराने के मामले में वांछित चल रहे 20 हजार रुपये के इनामी आरोपित को मेरठ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सिविल लाइन पुलिस और स्वाट टीम नगर की संयुक्त कार्रवाई में आरोपित मोनू उर्फ प्रशान्त कुमार सिंह को दिल्ली के निजामुद्दीन से दबोचा गया। पुलिस ने आरोपित को न्यायालय के समक्ष पेश किया है।एसटीएफ की तहरीर पर दर्ज हुआ था मुकदमा28 जून 2023 को एसटीएफ फील्ड यूनिट मेरठ के निरीक्षक सुनील कुमार की तहरीर पर थाना सिविल लाइन में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि कुछ लोग संगठित होकर प्रतियोगी परीक्षाओं में अभ्यर्थियों से अवैध धनराशि लेकर पेपर आउट कराने, प्रश्नपत्र हल कराने और सॉल्वर के माध्यम से परीक्षार्थियों को फर्जी तरीके से पास कराने का काम कर रहे थे। मामले में धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने और आपराधिक षड्यंत्र समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान मोनू उर्फ प्रशान्त कुमार सिंह पुत्र ओमपाल सिंह, रामअवतार, निवासी ग्राम खटाना, थाना जारचा, गौतमबुद्धनगर का नाम सामने आया। इसके बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस के मुताबिक आरोपित के खिलाफ विभिन्न जनपदों में प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित कई मुकदमे दर्ज हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी सिविल लाइन के पर्यवेक्षण में सिविल लाइन पुलिस व स्वाट टीम नगर ने सोमवार को कार्रवाई की।

अज्ञात कटेनर के चपेट में आने सब इंस्पेक्टर की मौत

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के रविंद्रनगर थाना क्षेत्र के सरस्वती चौक बाईपास मार्ग पर सोमवार को हुए भीषण सड़क हादसे में सेवरही थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर भवानी प्रसाद पांडेय की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वह मूल रूप से बस्ती जनपद के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सब इंस्पेक्टर भवानी प्रसाद पांडेय अपनी हीरो स्प्लेंडर बाइक यूपी 51 एक्यू 1669 से जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात कंटेनर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही पुलिस विभाग में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार हादसे के समय सड़क के दोनों ओर आधे हिस्से में गिट्टी और बालू रखी गई है। मकान निर्माण के लिए सड़क पर निर्माण सामग्री रखे जाने से वाहनों के आवागमन के लिए काफी कम जगह बची थी। ऐसे में इस संकरे रास्ते से भारी वाहनों की आवाजाही हादसे का खतरा बढ़ा रही है। सरस्वती चौक बाईपास का यह मार्ग बिहार, कुबेरस्थान और तुर्कपट्टी की ओर जाने वाले भारी वाहनों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है। इसके बावजूद सड़क के बड़े हिस्से पर निर्माण सामग्री रखे जाने से यातायात प्रभावित हो रहा है। हादसे के बाद यह सवाल गंभीर हो गया है कि आखिर व्यस्त मार्ग पर निर्माण सामग्री रखकर यातायात बाधित करने की अनुमति किस स्तर से मिली और इसकी निगरानी किसकी जिम्मेदारी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सब इंस्पेक्टर किसी ड्यूटी से वापस लौट रहे थे, हालांकि वह किस ड्यूटी से लौट रहे थे, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलते ही रविंद्रनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। पुलिस अज्ञात कंटेनर और उसके चालक की तलाश में जुटी है। हादसे के बाद लोग सबसे बड़ा सवाल उठा रहे है कि क्या किसी की जान जाने का इंतजार किया जा रहा था? व्यस्त मार्ग की आधी सड़क पर निर्माण सामग्री रखे जाने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की नजर इस ओर क्यों नहीं गई?

धड़ल्ले से चल रहे अवैध क्लीनिक व अस्पतालों पर नहीं लग पा रहा अंकुश

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र में धड़ल्ले से अवैध रूप से क्लीनिक व अस्पताल संचालित हो रहे हैं लेकिन स्वास्थ्य विभाग इनके विरुद्ध कार्रवाई की बजाय मूकदर्शक बना हुआ है। अवैध रूप से क्लीनिक व अस्पताल संचालित करने वाले झोलाछाप क्षेत्रीय जनता का आर्थिक दोहन कर उनकी जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं।बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित इन अस्पतालों व क्लीनिकों में झोलाछाप द्वारा मरीजों की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा है। हलिया क्षेत्र के नेशनल हाईवे किनारे स्थित दुर्जनीपुर गांव में प्रयागराज जिला निवासी एक व्यक्ति द्वारा बाकायदा टिनशेड लगाकर अवैध रूप से अस्पताल संचालित किया जा रहा है जिनमें क्षेत्र से आने वाले मरीजों को अपने झांसे में फंसाकर बिना किसी डिग्री के झोलाछाप भर्ती कर उनका उपचार करते हैं। क्षेत्र के रतेह चौराहा, ड्रमंडगंज, बरौंधा, नैड़ी कठारी, दुर्जनीपुर आदि गांवों में आवासीय परिसर में अवैध रूप से अस्पताल और क्लीनिक बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित हैं। झोलाछाप में इस बात का भी डर नही होता है कि उनके गलत इलाज से मरीज की जिंदगी खतरे में पड़ सकती है लेकिन वह मरीजों का आपरेशन करने से भी नहीं चूकते हैं। क्षेत्र के मेडिकल स्टोर संचालक भी मेडिकल स्टोर की आड़ में अवैध क्लीनिक खोलकर बेखौफ होकर मरीजों का उपचार करते है। क्षेत्र के अधिकतर मेडिकल स्टोर बिना लाइसेंस के धड़ल्ले से संचालित है। बिना किसी चिकित्सा डिग्री व बगैर रजिस्ट्रेशन के मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं।

सीएम ने बाढ़ पीड़ितों से वार्ता कर मदद को किया आश्वस्त, बांटी राहत सामग्री

चित्रकूट। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। रामघाट का स्थलीय निरीक्षण कर साधु संतों एवं बाढ़ पीड़ितों से वार्तालाप कर हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन से कहा कि जो रामघाट में बाढ़ के दौरान मठ, मंदिर, घर की दीवारें क्षतिग्रस्त हुई हैं उन्हें तत्काल मरम्मत कराया जाये। ताकि कोई समस्या न हो। रैनबसेरा का भी निरीक्षण किए। इस दौरान वहां पर 26 लोग रुके पाए गए। जिनसे मुख्यमंत्री ने व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। सभी लोगों ने व्यवस्थाओं के बारे में कहा कि अच्छी व्यवस्था है। उन्होंने रैन बसेरा सीतापुर पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से स्वास्थ्य लाभ एवं समस्याओं की जानकारी की। सबको कपड़े, साड़ी वितरित किए। छोटे बच्चों को चॉकलेट एवं टॉफी, स्कूल बैग, किताबें का वितरण किया।

पीड़ितों को दिए आवास के लिए डेमो चेक, भूमि आवंटन प्रमाण पत्र

चित्रकूट। कार्यक्रम के दौरान मंच पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुकेश, लल्लू तथा चुन्नीलाल को आवास के लिए एक लाख 20 हजार रुपए के डेमो चेक दिया एवं रामसूरत तथा सूरजकली को भूमि आवंटन प्रमाण पत्र आवास बनाने के लिए उपलब्ध कराया गया। इस दौरान कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय मंत्री आनंद प्रताप सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आशीष कोल, जिला प्रवासी नीरज श्रीवास्तव, महामंत्री विपुल प्रताप सिंह, अश्वनी अवस्थी, ब्लॉक प्रमुख पहाड़ी सुशील द्विवेदी, ब्लॉक प्रमुख मानिकपुर अरविंद कुमार मिश्रा, मऊ नगर पंचायत अध्यक्ष अमित द्विवेदी, जगदीश गौतम, अंजू वर्मा, सुशीला देवी वर्मा सहित अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन ज्योति नारायण, मंडलायुक्त अजीत कुमार, डीआईजी राजेश एस, डीएम पुलकित गर्ग, एसपी अरुण कुमार सिंह, सीडीओ डीपी पाल, एडीएम चंद्रशेखर, एडीएम न्यायिक अरुण कुमार, एडीएम नमामि गंगे स्वप्निल कुमार यादव सहित जिला स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी एवं बाढ़ पीड़ित लाभार्थी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत एवं पुनर्वास को लेकर की समीक्षा बैठक

चित्रकूट। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में जिले में आई बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों, राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास एवं विकास कार्यों को लेकर न्यू सर्किट हाउस देवांगना में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से बाढ़ से हुए नुकसान एवं राहत कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने व्यापारियों को हुए नुकसान की जानकारी लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे राहत कार्यों के संबंध में जानकारी ली। डीएम पुलकित गर्ग ने बताया कि वर्तमान में प्रभावित व्यापारियों को कपड़े, बर्तन की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है एवं तहसील कर्वी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में अब तक 35 हजार लंच पैकेट, राशन किट 45 सौ एवं 650 खातों में पचास लाख रुपये वितरित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रभावित व्यापारियों, संतों एवं किसानों के नुकसान का सर्वे कराकर उनकी सूची तैयार की जाए तथा पात्र व्यक्तियों को नियमानुसार शीघ्र सहायता उपलब्ध कराई जाए। किसानों की फसल को हुए नुकसान का सर्वे प्राथमिकता के आधार पर कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के मकान पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं उनका सर्वे कराकर पात्र परिवारों को पट्टे की भूमि उपलब्ध कराने के साथ ही आवास की सुविधा प्रदान की जाए। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावित पात्र परिवारों को जी राम जी योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने जनपद में उपलब्ध राहत किट की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि शेष राहत किट का वितरण 48 घंटे के भीतर प्रत्येक पात्र प्रभावित व्यक्ति तक सुनिश्चित कराया जाए। राहत सामग्री की गुणवत्ता उच्च स्तर की होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि राहत एवं पुनर्वास कार्यों में जाति, धर्म अथवा किसी अन्य भेदभाव के बिना केवल पात्रता के आधार पर लाभार्थियों को सहायता प्रदान की जाए।

नदी के अतिक्रमण चिन्हित कर बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान करने के निर्देश

चित्रकूट। सीएम ने जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि मंदाकिनी नदी के किनारे क्षेत्रों में हुए अतिक्रमण को शीघ्र चिन्हित कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है तथा बड़े क्षेत्र से आने वाले पानी की निकासी के लिए नदी का पर्याप्त विस्तार आवश्यक है। नदी के संकरे होने से बाढ़ के दौरान नुकसान की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि इस बार जनहानि नहीं हुई, लेकिन व्यापक स्तर पर धनहानि हुई है। उन्होंने बाढ़ की स्थिति को गंभीर आपदा बताते हुए इसके स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने नदी के किनारे घाटों से सटे मंदिरों एवं मठों को पीछे किए जाने की संभावना पर कार्यवाही करने को कहा। ताकि नदी का पर्याप्त विस्तार एवं जल निकासी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने नदी पर बने पुलों की भी जांच एवं तकनीकी ऑडिट कराने के निर्देश दिए।

शुरू करें स्थाई एवं प्रभावी तैयारी

चित्रकूट। मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट में प्रत्येक वर्ष बाढ़ की स्थिति को देखते हुए स्थायी एवं प्रभावी तैयारी की जाए। जरूरत पड़ने पर मध्य प्रदेश शासन से भी समन्वय स्थापित करें। ताकि भविष्य में जन धन की हानि को कम किया जा सके।

शहर की सफाई व्यवस्था एवं नदी में सीवेज ट्रीटमेंट को बनाएं प्रभावी

चित्रकूट। मुख्यमंत्री ने नगर की सफाई व्यवस्था की जानकारी लेते हुए सफाई कर्मचारियों की संख्या के संबंध में जानकारी ली। प्रभारी अधिशासी अधिकारी उप जिलाधिकारी ने बताया कि नगर पालिका परिषद के पास वर्तमान में 305 सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए तथा प्रशासन की ओर से आवश्यक पत्राचार करते हुए अतिरिक्त मैनपावर की व्यवस्था एवं नगर पालिका के लिए स्थायी अधिशासी अधिकारी के लिए पत्राचार करें। उन्होंने निर्देश दिए कि पूरे कस्बे में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होनी चाहिए। नालों पर किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए नालों के ऊपर फुटपाथ विकसित किए जाएं।

धर्मनगरी को किसी भी दशा में नहीं बनने देंगे कबाड़खाना

चित्रकूट। सीएम ने कहा कि नदी में गिरने वाले सीवर एवं नालों के पानी के लिए समुचित ट्रीटमेंट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ताकि मंदाकिनी नदी की स्वच्छता एवं निर्मलता बनी रहे। उन्होंने कहा कि चित्रकूट धाम में देश प्रदेश से लाखों श्रद्धालु आते हैं।

विज़डम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 08 सितंबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

सीपीएल 2026 सुनील नरेन का चला जादू, त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने बारबाडोस को 35 रन से हराया

बारबाडोस ,। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 27वां मुकाबला किंग्सटन ओवल, ब्रिजटाउन में खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स और त्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। त्रिनबागो ने 35 रन से मैच जीता। बारबाडोस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 6 विकेट पर 147 रन बनाए थे। कप्तान निकोलस पूरन ने 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 59 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 32 गेंदों पर 38 रन बनाए। किरोन पोलार्ड ने 15 और जोशुआ डा सिल्वा ने 10 रन बनाए थे। बारबाडोस के लिए गुडाकेस मोती ने 3, मुजीब उर रहमान ने 2 और जकीम पोलार्ड ने 1 विकेट लिए।148 रन के सामान्य लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। बारबाडोस 18.3 ओवर में 112 रन पर सिमट गई और 35 रन से मैच हार गई। जैकरी कार्टर और शरफेन रदरफोर्ड ने 21–21 रन बनाए। इसके अलावा, डेनियल सैम्स ने 17, ब्रैंडन किंग्स और सैड्रैक डेसकार्टेस ने 16–16 रन बनाए। क्विंटन डि कॉक और रिवाल्डो क्लार्क जैसे बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए।

त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहतरीन और मैच विजयी स्पेल फेंका। नरेन ने 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, जेड गुली ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए। लाहिरु कुमारा ने 2 और अकील हुसैन ने 1 विकेट लिया।

सुनील नरेन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

त्रिनबागो नाइट राइडर्स की सीजन के नौवें मैच में यह तीसरी जीत थी। 6 अंकों के साथ टीम छठे स्थान पर है। वहीं, बारबाडोस की सीजन के छठे मैच में यह चौथी हार थी। 4 अंक के साथ बारबाडोस आखिरी (सातवें) स्थान पर है।

रुमेश पथिरगे ने रचा इतिहास, डायमंड लीग खिताब जीतने वाले पहले श्रीलंकाई बने

ब्रसेल्स ,। श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश थरंगा पथिरगे ने इतिहास रच दिया है। वह डायमंड लीग चौंपियन बनने वाले पहले श्रीलंकाई बन गए हैं। दुनिया के नंबर 1 जेवलिन थ्रोअर रुमेश ने ब्रसेल्स के किंग बाउडौइन स्टेडियम में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में खिताब जीत सीजन का अंत शानदार और यादगार अंदाज में किया। 23 साल के इस खिलाड़ी ने किंग बाउडौइन स्टेडियम में अपनी तीसरी कोशिश में 89.04 मीटर की बड़ी दूरी तय करके जीत पक्की की। पोलैंड के डेविड वेगनर 87.47 मीटर दूसरे स्थान पर रहे। पूर्व ओलंपिक चौंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने सीजन का सबसे अच्छा थ्रो फेंका और 83.99 मीटर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चौंपियन एंडरसन पीटर्स 83.70 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे। जीत के बाद रुमेश ने कहा, मैं डायमंड लीग फाइनल जीतने वाला पहला श्रीलंकाई हूं और इससे मुझे बहुत गर्व है। मैं डायमंड लीग में मुकाबला करने के लिए बहुत उत्सुक था और मैं बहुत खुश हूं कि मुझे फाइनल में जीत मिली। मुझे पता है कि मैं आज 89.04 से कहीं बेहतर कर सकता था, लेकिन हालात मुश्किल थे। मुझे बहुत ज्यादा तापमान की आदत है। मैं अगले कुछ सालों में अटैक करने और मीटिंग रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करूंगा।

इस जीत ने श्रीलंकाई खिलाड़ी के लिए एक शानदार डायमंड लीग कैंपेन पूरा किया, जो सीजन के दौरान शानदार

प्रदर्शन के बाद सर्किट लीडर के तौर पर फाइनल में पहुंचे थे।श्रीलंकाई स्टार ने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें उनके पांच डायमंड लीग मैचों में से चार में जीत मिली है। वह रबात में अपनी सीरीज में डेब्यू करते हुए दूसरे नंबर पर रहे, लेकिन रोम और ज्यूरिख दोनों जगह उन्होंने 92 मीटर से ज्यादा फेंका, और अब तक के टॉप टेन थ्रोअर में शामिल हो गए।

रोम में श्रीलंकाई खिलाड़ी की 92.62 मीटर की वर्ल्ड लीड ने उन्हें इस सीजन में वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप पर पहुंचने में मदद की है।

हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, पूरी पारी के दौरान संघर्ष किया - फातिमा सना

दुबई ,। पाकिस्तान को भारत के खिलाफ शनिवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए विमेंस एशिया कप 2026 के 9वें मुकाबले में 7 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने स्वीकार किया है कि उनकी टीम की बल्लेबाजी खराब रही और पूरी पारी के दौरान टीम ने संघर्ष किया।पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया, लेकिन ये निर्णय टीम पर भारी पड़ गया और पाकिस्तानी टीम 18.1 ओवरों में सिर्फ 55 रन पर सिमट गई। आलम ये रहा कि पाकिस्तान के सिर्फ 2 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सकीं। चार खिलाड़ी अपना खाता तक नहीं खोल सकीं।पहले बल्लेबाजी करने के फैसले पर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई पूरी पारी के दौरान हमने संघर्ष किया। हमें पता था कि विकेट ताजा है और हम अधिक से अधिक रन बनाना चाहते थे। हमें भरोसा था कि हमारी गेंदबाजी इकाई अच्छी है। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने 8.4 ओवरों में 7 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान के लिए तीनों विकेट फातिमा सना (3 ओवरों में 17 रन देकर 3 विकेट) हासिल किए।

कप्तान सना निजी उपलब्धि से ज्यादा टीम की जीत को तरजीह देती हैं। उन्होंने कहा, मैंने तीन विकेट लिए, लेकिन फिर भी हम मैच हार गए, इसलिए इसका कोई मायने नहीं है। हमें जीत की जरूरत थी, इसलिए तीन विकेट लेने से कोई फर्क नहीं पड़ता। पाकिस्तानी टीम 2 में से

1 मैच गंवाने के बावजूद ग्रुप–ए की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर मौजूद है। अब पाकिस्तानी टीम 7 सितंबर को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में हांगकांग, चीन का सामना करेगी। ग्रुप–ए से भारत ने पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना ली थी। अब पाकिस्तान (–0.569), थाईलैंड (–2.050) और हांगकांग, चीन (–3.575) क्रमशरू दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर हैं। यानी अगला मैच पाकिस्तान के लिए निर्णायक होगा। इस मुकाबले को लेकर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हम वहां अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे, और आखिरी मैच में हम जीतने और फाइनल (नॉकआउट) में जाने की कोशिश करेंगे।

मोड्रिक ने संन्यास की अटकलों पर लगाया विराम, नेशंस लीग में खेलेंगे

मिलान ,। लुका मोड्रिक ने क्रोएशिया के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेलना जारी रखने का फैसला किया है। इसी के साथ उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें अनुभवी मिडफील्डर के नेशनल टीम से संन्यास लेने के कयास लगाए जा रहे थे। क्रोएशियाई फुटबॉल फेडरेशन (एचएनएस) ने शनिवार को पुष्टि की है कि मोड्रिक चेक रिपब्लिक, स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले नेशंस लीग मुकाबलों के लिए टीम का हिस्सा होंगे।

यह फैसला मोड्रिक के हाल ही में फीफा वर्ल्ड कप में क्रोएशिया का प्रतिनिधित्व करने के बाद आया है, जहां उनकी टीम को राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल के हाथों 1–2 से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर संदेह पैदा हो गया था, खासकर इसलिए क्योंकि यह मिडफील्डर सितंबर में 41 साल का होने वाला है। हालांकि, नए नियुक्त हेड कोच स्लेवेन बिलिच और एचएनएस अध्यक्ष मारिजन कुस्टिक के साथ बातचीत के बाद मोड्रिक ने क्रोएशिया के आगामी आधिकारिक मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध कराया है।

एसी मिलान का यह मिडफील्डर क्रोएशिया के लिए एक अहम खिलाड़ी बना हुआ है, जिसने अपने देश के लिए 202 मैच खेले हैं। वह लगभग दो दशकों से नेशनल टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और फीफा वर्ल्ड कप 2018 में क्रोएशिया के सफल सफर के दौरान उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी, जब टीम रनर–अप रही थी। बिलिच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, स्वाभाविक रूप से, लुका के फैसले से मुझे बेहद खुशी हुई है।हम सभी जानते हैं कि वह मैदान के अंदर और बाहर क्रोएशिया को क्या दे सकते हैं। मैं 14 साल बाद उनके साथ फिर से काम करने के लिए उत्साहित हूं। हम दोनों का एक ही मकसद है – क्रोएशिया को टॉप टीमों में बनाए रखना, जीत हासिल करना और दुनिया की बेहतरीन टीमों के बराबर लाना।

मोड्रिक ने एसी मिलान के साथ अपना क्लब करियर भी जारी रखा है। इस मिडफील्डर ने हाल ही में इटैलियन क्लब के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट जून 2027 तक बढ़ा दिया है।

क्रोएशिया के दिग्गज मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने राष्ट्रीय टीम के साथ अपना सफर जारी रखने का फैसला किया है। इस फैसले के साथ उन्हें अब अपने 202 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा, साथ ही वह यूरोपीय फुटबॉल के सबसे शानदार अंतरराष्ट्रीय करियरों में से एक को और लंबा कर सकेंगे।

मोड्रिक ने साल 2006 में क्रोएशिया के लिए सीनियर डेब्यू किया था और तब से वह टीम के अहम खिलाड़ी बने हुए हैं।

टाटा टेक्नोलाजीज के पूर्व सीईओ ने करीब 165 करोड़ रुपए के शेयर बेचे

नई दिल्ली,। टाटा टेक्नोलॉजीज के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) पैट्रिक रेमन मैकगोल्ड्रिक ने बीएसई पर ब्लॉक डील के जरिए करीब 165 करोड़ रुपए के शेयर बेचकर कंपनी में अपनी हिस्सेदारी कम कर दी है।मैकगोल्ड्रिक ने शुक्रवार को चार चरणों में 21 लाख शेयर बेचे, जो टाटा समूह की इस कंपनी में 0.51 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। इन शेयरों को औसतन 785 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर बेचा गया, जिससे इस लेनदेन का कुल मूल्य 164.85 करोड़ रुपए रहा। इसके बाद टाटा टेक्नोलॉजीज में मैकगोल्ड्रिक की हिस्सेदारी 1.13 प्रतिशत से घटकर 0.62 प्रतिशत रह गई।जानकारी के मुताबिक, इन शेयरों को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड, 360 वन एसेट मैनेजमेंट और कार्नेलियन एसेट मैनेजमेंट एंड एडवाइजर्स सहित संस्थागत निवेशकों ने खरीदा। मैकगोल्ड्रिक ने कंपनी के साथ करीब दो दशक के जुड़ाव के बाद सितंबर2014 में टाटा टेक्नोलॉजीज के सीईओ और एमडी के पद से सेवानिवृत्ति ली थी।टाटा टेक्नोलॉजीज के शेयर शुक्रवार को बीएसई पर 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 799.85 रुपए पर बंद हुए। शेयर का 52–सप्ताह का उच्चतम स्तर 890.15 रुपए और 52–सप्ताह का निचला स्तर 507. 50 रुपए है। पिछले दो वर्षों में शेयर में 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। इसके अलावा, पुणे मुख्यालय वाली कंपनी ने मार्च तिमाही में 204.17 करोड़ रुपए का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि परिचालन से राजस्व 1,572.22 करोड़ रुपए रहा।हालांकि, वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ घटकर 546.59 करोड़ रुपए रह गया, जो वित्त वर्ष 2025 में 676.95 करोड़ रुपए था। इसके अलावा, कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ में तिमाही–दर–तिमाही 11.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। अप्रैल–जून तिमाही में कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ 181 करोड़ रुपए रहा, जबकि जनवरी–मार्च तिमाही में यह 204 करोड़ रुपए था।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11.475 बिलियन डालर बढ़कर आल-टाइम हाई 740.803 बिलियन डालर पर पहुंचा

नई दिल्ली । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 28 अगस्त को समाप्त हुए सप्ताह में 11.475 बिलियन डॉलर बढ़कर अब तक के सबसे उच्चतम स्तर (ऑल–टाइम हाई) 740.803 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। यह जानकारी शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए डेटा में दी गई। इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार का ऑल–टाइम हाई 729.328 बिलियन डॉलर था, जो कि 21 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में दर्ज किया गया था।आरबीआई के डेटा के मुताबिक, 28 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) की वैल्यू 9.337 बिलियन डॉलर बढ़कर 600.670 बिलियन डॉलर हो गई है।एफसीए में डॉलर के साथ दुनिया की कई अहम वैश्विक मुद्राएं जैसे येन, यूरो और पाउंड होती हैं, जिनकी वैल्यू को डॉलर में दिखाया जाता है।इस दौरान, विदेशी मुद्रा भंडार के दूसरे सबसे बड़े घटक गोल्ड रिजर्व की वैल्यू 2.191 बिलियन डॉलर बढ़कर 116.409 बिलियन डॉलर हो गई है।आरबीआई के अनुसार, 28 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में एसडीआर की वैल्यू 43 मिलियन डॉलर घटकर 18.810 बिलियन डॉलर रही है। वहीं, भारत की आरबीआई में रिजर्व पॉजिशन 11 मिलियन डॉलर घटकर 4.914 बिलियन डॉलर पर पहुंच गई है।देश के विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने की वजह डॉलर आकर्षित करने की लिए आरबीआई की ओर से शुरू की गई स्कीमों को माना जा रहा है, जिसके तहत देश में करीब 136 बिलियन डॉलर से अधिक का फंड

आया है।किसी भी देश के लिए उसका विदेशी मुद्रा भंडार काफी महत्वपूर्ण होता है, और इससे उस देश की आर्थिक स्थिति का पता लगता है। इससे अलावा, यह मुद्रा की विनिमय दर को स्थिर रखने में बड़ी भूमिका निभाता है। उदाहरण के लिए अगर किसी स्थिति में डॉलर के मुकाबले रुपए पर अधिक दबाव देखने को मिलता है और उसकी वैल्यू कम होती है तो केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल कर डॉलर के मुकाबले रुपए को गिरने से रोक सकता है और विनिमय दर को स्थिर रखता है।

केंद्र सरकार की कार्पोरेट मित्र पहल शुरू, एमएसएमई को मिलेगी किफायती प्रोफेशनल सहायता

नई दिल्ली ,। केंद्र सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए अनुपालन (कंप्लायंस) की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कॉर्पोरेट मित्र पहल शुरू की है। इस पहल का मकसद अनुपालन को डरावना नहीं, बल्कि आसान और ज्ञान को सुलभ बनाना है।कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की संयुक्त सचिव अनीता शाह अकेला ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य अनुपालन को एक बोझ से बदलकर विश्वास, पारदर्शिता, जवाबदेही और व्यवस्थित विकास का माध्यम बनाना है।सरकार ने केंद्रीय बजट 2026–27 में कॉर्पोरेट मित्र पहल की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य प्रशिक्षित और प्रमाणित पैरा–प्रोफेशनल्स का एक पूल तैयार करना है जो एमएसएमई को बिजनेस और रेगुलेटरी अनुपालन में मदद कर सकें। यह प्रोग्राम आईसीएआई, आईसीएसआई और आईसीओएआई की प्रोफेशनल विशेषज्ञता को आईआईटी मद्रास, आईआईटी मद्रास प्रवर्तक औरस्वयं प्लस के तकनीकी और

अकादमिक सहयोग के साथ जोड़ता है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई), इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) और इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीओएआई) ने कॉर्पोरेट मित्र कोर्स शुरू कर दिया है, जिसके पहले बैच में 2,879 शिक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अनुसार, कॉर्पोरेट मित्र लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) का लॉन्च इस प्रोग्राम के स्ट्रक्चर्ड लर्निंग और क्षमता–विकास चरण की शुरुआत है।इस कोर्स का लक्ष्य प्रमाणित पैरा–प्रोफेशनल्स का एक कुशल समूह तैयार करना है जो एमएसएमई को किफायती प्रोफेशनल सहायता प्रदान कर सके, जिससे व्यापार करने में आसानी, रोजगार सृजन और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।यह भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम के विकास और औपचारिकरण में योगदान देने वाले पैरा–प्रोफेशनल्स के कुशल पूल को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कॉर्पोरेट मित्र कोर्स की कुल अवधि 12 महीने है, जिसे दो चरणों में बांटा गया है। पहले छह महीनों में लगभग 150 घंटे की स्ट्रक्चर्ड अकादमिक लर्निंग शामिल है, जो रिकॉर्डेड वीडियो लेक्चर के माध्यम से दी जाएगी।

रायल एनफील्ड हिमालयन 440 लान्च, दमदार इंजन और 21 इंच का फ्रंट व्हील

नई दिल्ली । रॉयल एनफील्ड ने अपनी नई एडवेंचर मोटरसाइकिल हिमालयन 440 को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसे लद्दाख में आयोजित हिमालयन बेसकैंप कार्यक्रम के दौरान पेश किया। नई मोटरसाइकिल की कीमत 2.29 लाख रुपये एक्स–शोरूम, चेन्नई रखी गई है। हिमालयन 440 को पुराने हिमालयन 411 के मुकाबले अधिक शक्तिशाली इंजन, नए उपकरणों और ऑफ–रोडिंग के अनुकूल बदलावों के साथ उतारा गया है। नई हिमालयन 440 में स्क्रैम 440 वाला इंजन और गियरबॉक्स इस्तेमाल किया गया है, लेकिन इसके व्हील, सस्पेंशन और रंग विकल्प इसे स्क्रैम से अलग बनाते हैं। कंपनी ने इस बाइक की बुकिंग देशभर के अपने शोरूम और आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से शुरू कर दी है।440 इंजन के साथ बढ़ी ताकत

रॉयल एनफील्ड हिमालयन 440 में स्क्रैम 440 वाला इंजन दिया गया है, जो 25.4 एचपी की पावर और 34 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। यह हिमालयन 411 के मुकाबले 1.4 एचपी अधिक पावर और 2 एनएम ज्यादा टॉर्क देता है।

कंपनी के अनुसार, इंजन की ताकत को बेहतर बनाने के लिए बोर में 3 मिमी की बढ़ोतरी की गई है। नया इंजन कम आरपीएम पर भी बेहतर टॉर्क उपलब्ध कराने के लिए तैयार किया गया है। इंजन का लगभग 90 प्रतिशत टॉर्क 2,800 आरपीएम से मिलना शुरू हो जाता है, जिससे कम और मध्यम गति पर बाइक चलाना आसान हो सकता है।

6–स्पीड गियरबॉक्स और 15 लीटर का फ्यूल टैंक

नई हिमालयन 440 में 6–स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है। इसके साथ 15 लीटर की क्षमता वाला फ्यूल टैंक मिलता है। लंबी दूरी की यात्रा और हाईवे राइडिंग को ध्यान में रखते हुए यह संयोजन उपयोगी साबित हो सकता है।

हालांकि, बाइक में स्लिपर क्लच नहीं दिया गया है। ब्रेकिंग सिस्टम में आगे 300 मिमी डिस्क और पीछे 240 मिमी डिस्क ब्रेक दिया गया है। मोटरसाइकिल में डुअल–चौनल एबीएस स्टैंडर्ड तौर पर मिलता है और जरूरत पड़ने पर रियर एबीएस को बंद भी किया जा सकता है, जिससे ऑफ–रोड परिस्थितियों में बेहतर नियंत्रण मिल सकता है।

नया इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और नेविगेशन

हिमालयन 440 में नया इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है, जो पुराने हिमालयन 411 के मुकाबले अलग डिजाइन में आता है। इसमें ट्विन–पॉड लेआउट मिलता है। बाईं ओर स्पीडोमीटर दिया गया है, जबकि दूसरी तरफ ट्रिपर नेविगेशन पॉड मौजूद है,।

सूटकेस का चयन करते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान, होगा सही चुनाव

सूटकेस एक अहम यात्रा से जुड़ी वस्तु है। सही सूटकेस चुनना आपकी यात्रा को आरामदायक और सुविधाजनक बना सकता है। आजकल बाजार में कई तरह के सूटकेस उपलब्ध हैं, जिनमें से सही का चयन करना मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ जरूरी सुझाव देंगे, जिनकी मदद से आप अपने लिए सही सूटकेस चुन सकते हैं। ये सुझाव न केवल आपके सामान को सुरक्षित रखेंगे, बल्कि यात्रा को भी आरामदायक बनाएंगे।आकार और वजन पर ध्यान देंसूटकेस का आकार और वजन बहुत महत्वपूर्ण होता है। अगर आप हवाई यात्रा करते हैं तो हल्का और मध्यम आकार का सूटकेस सबसे अच्छा होता है, क्योंकि एयरलाइन कंपनियां अक्सर वजन सीमा निर्धारित करती हैं।इसके अलावा मध्यम आकार का सूटकेस आसानी से कैरी ऑन या चेक–इन किया जा सकता है। अगर आप सड़क यात्रा पर जा रहे हैं ।

सूरी की मंदाडी का दमदार ट्रेलर जारी, ग्रामीण पृष्ठभूमि में दिखा जबरदस्त एक्शन,10 सितंबर को होगी रिलीज

अभिनेता सूरी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म श्मंदाडीच को लेकर चर्चा में हैं। मथिमारन पुगाजेंधी के निर्देशन में बनी यह फिल्म 10 सितंबर 2026 को बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में सूरी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उनके तेलुगु फिल्म जगत में पदार्पण को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है।

फिल्म के पहले जारी किए गए टीजर और गीतों को दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। अब निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर भी जारी कर दिया है, जिसमें ग्रामीण परिवेश के बीच दमदार एक्शन और रोमांचक घटनाक्रम की झलक देखने को मिलती है। ट्रेलर ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

ट्रेलर में सूरी सट्टई पुली की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं। उनका किरदार रहस्यमयी परिस्थितियों के कारण अपना गांव और खेल छोड़ चुका है। ट्रेलर में उसके अतीत और गांव से जुड़े घटनाक्रम की झलक दिखाई गई है, हालांकि इसके पीछे की असली वजह को फिलहाल रहस्य बनाए रखा गया है।

सूरी ने अपने दमदार अभिनय और प्रभावशाली व्यक्तित्व से किरदार में जान डालने की कोशिश की है। ग्रामीण माहौल, संघर्ष और मारधाड़ से भरपूर दृश्यों के साथ ट्रेलर फिल्म की कहानी को एक गंभीर और रोमांचक अंदाज में पेश करता है।फिल्म के ट्रेलर में पृष्ठभूमि संगीत और छायांकन विशेष रूप से ध्यान आकर्षित करते हैं। ग्रामीण परिवेश को प्रभावशाली ढंग से कैमरे में उतारा गया है। एक्शन दृश्यों के साथ संगीत का तालमेल ट्रेलर को और प्रभावशाली बनाता है। फिल्म में मनोरंजन के साथ–साथ भावनात्मक और संघर्षपूर्ण पहलुओं की झलक भी देखने को मिलती है।मंदाडी में सूरी के अलावा महिमा नांबियार, सत्यराज, मिथुन जय शंकर, रवींद्र विजय, बाला सरवनन और स्टन शिवा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। कलाकारों की मजबूत मौजूदगी ने फिल्म के प्रति दर्शकों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। फिल्म का निर्माण एल्ड्रेड कुमार ने अपने आरएस इन्फोटेनमेंट बैनर के तहत किया है। उन्होंने आर. मोहनवासनथन और थिरल शंकर के साथ मिलकर फिल्म की कहानी भी लिखी है। मथिमारन पुगाजेंधी के निर्देशन में बनी यह फिल्म ग्रामीण पृष्ठभूमि, एक्शन और भावनात्मक घटनाक्रम के मेल के साथ दर्शकों के सामने पेश की जाएगी। फिल्म के टीजर और गीतों को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद अब ट्रेलर जारी होने से मंदाडी को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है।

सूर्या की शविश्वनाथ एंड सन्स जल्द ओटीटी पर, 11 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर आने की चर्चा

अभिनेता सूर्या और निर्देशक वेंकी अटुलुरी की फिल्म विश्वनाथ एंड सन्स्च सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद अब ओटीटी मंच पर दस्तक देने की तैयारी में है। ममिता बैजू के साथ मुख्य भूमिका वाली यह तमिल–तेलुगु पारिवारिक फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मजबूत प्रदर्शन करते हुए सूर्या के करियर की प्रमुख व्यावसायिक सफल फिल्मों में अपनी जगह बनाई है।

सितारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज के बैनर तले सूर्यदेवरा नागा वामसी और साई सौजन्या ने फिल्म का निर्माण किया है। फिल्म अभी भी कुछ सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है। इसी बीच फिल्म उद्योग में चर्चा है कि सिनेमाघरों में रिलीज के करीब एक महीने बाद 11 सितंबर को फिल्म को नेटफ्लिक्स पर कई भाषाओं में प्रदर्शित किया जा सकता है। हालांकि, इस संभावित ओटीटी रिलीज तारीख की अभी नेटफ्लिक्स की ओर से आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। फिल्म से जुड़े व्यापारिक आंकड़ों के अनुसार, विश्वनाथ एंड सन्स्च ने तीसरे सप्ताह तक दुनिया भर में 250 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। भारत में भी फिल्म का शुद्ध कारोबार तीसरे सप्ताह तक 150 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया था। तमिल और तेलुगु दोनों भाषाओं में फिल्म को दर्शकों का अच्छा समर्थन मिला है।

भाषा के आधार पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 14 दिनों में भारत में फिल्म के तमिल संस्करण ने करीब 77.48 करोड़ रुपये, जबकि तेलुगु संस्करण ने लगभग 72.70 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया। इस तरह दोनों भाषाओं से फिल्म का कुल शुद्ध कारोबार करीब 150 करोड़ रुपये रहा। इन आंकड़ों को फिल्म की सफल द्विभाषी सिनेमाघरी यात्रा के तौर पर देखा जा रहा है।शविश्वनाथ एंड सन्सच की कहानी संजय विश्वनाथ के इर्द–गिर्द घूमती है। शादी को लेकर हिचकिचाहट के बावजूद संजय किराये की कोख के माध्यम से पिता बनते हैं। बाद में जब उनके बच्चे को अस्थि–मज्जा प्रत्यारोपण की जरूरत पड़ती है, तब बच्चे की जैविक मां मैडी उनकी जिंदगी में प्रवेश करती हैं।मैडी के आने के बाद दोनों के बीच भावनात्मक रिश्ता विकसित होता है, लेकिन उम्र का अंतर उनके संबंधों को जटिल बना देता है। फिल्म में पारिवारिक भावनाओं के साथ प्रेम, रिश्तों की उलझन और व्यक्तिगत संघर्ष को कहानी का आधार बनाया गया है।फिल्म में सूर्या और ममिता बैजू की जोड़ी को दर्शकों का विशेष ध्यान मिला

है। दोनों कलाकारों के बीच की भावनात्मक केमिस्ट्री फिल्म की कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पारिवारिक भावनाओं और रिश्तों पर आधारित इस फिल्म ने तमिल और तेलुगु दोनों क्षेत्रों में अपनी मजबूत पकड़ बनाई है।

अब दर्शकों को फिल्म के ओटीटी प्रदर्शन का इंतजार है। 11 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर इसके संभावित प्रदर्शन की चर्चा जरूर है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि के लिए नेटफ्लिक्स की घोषणा का इंतजार करना होगा।

वीर पहाड़िया की फिल्म प्रेम कीटाणु का ऐलान, 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

बॉलीवुड निर्माता गौरव वर्मा ने अपने नवस्थापित बैनर, अवनिका फिल्म्स की पहली फिल्म प्रेम कीटाणु का ऐलान किया है, जिसमें वीर पहाड़िया मुख्य किरदार में नजर आएंगे। फिल्म को फार्स फिल्म्स के साथ सह–प्रस्तुत किया गया है। इसके निर्देशन की कमान अपूर्व सिंह कार्की ने उठाई है, जिन्हें सिर्फ एक बंदा काफी है और एस्पिरेंट्स के निर्देशन के लिए जाना जाता है। वीर के अलावा, फिल्म में अपारशक्ति खुराना, आफिया सैयद, राकेश बेदी और निखिल विजय भी मौजूद हैं।

प्रेम कीटाणु का ऐलान करते हुए निर्माताओं ने इसका पहला पोस्टर भी जारी किया है। इसकी कहानी आज के युवा, उनकी ख्वाहिशों और प्यार व जिंदगी में उनके संघर्षों को एक मजेदार अंदाज में पेश करेगी।

अक्षय कुमार अभिनीत स्काई फोर्स (2025) के बाद, वीर दूसरी बार बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं।।

फिल्म 2 अक्टूबर, 2026 को गांधी जयंती के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका टकराव अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 3 के साथ होगा।इसकी कहानी युवाओं की आकांक्षाओं, रिश्तों और रोजमर्रा की चुनौतियों के इर्द–गिर्द घूमती इस फिल्म की कहानी एक दिल छू लेने वाली और रिलेटेबल एंटरटेनर है। हास्य और भावनाओं से भरपूर इस फिल्म में आधुनिक जीवन और प्यार को एक नए नजरिए से पेश करने की कोशिश भी की गई है।ऐसे में यह कहा जाए तो गलत नहीं होगा कि श्प्रेम कीटाणुच वीर पहाड़िया को उनके डेब्यू श्स्काई फोर्सच से बिल्कुल अलग अंदाज में पेश करेगी। स्काई फोर्स में उन्होंने भारतीय वायुसेना के अधिकारी टी. विजया का किरदार निभाया था। ऐसे में देशभक्ति और एक्शन से भरपूर ड्रामा के बाद अब युवा और रिश्तों पर आधारित एंटरटेनर का हिस्सा बनना दिखाता है कि वीर अपने करियर के शुरुआती दौर में ही अलग–अलग तरह के किरदार और जॉनर तलाश रहे हैं।

जैसा कि वीर की आगामी फिल्मों की लिस्ट में डार्क एक्शन थ्रिलर श्नाम दृ टू लिव इज वॉरच भी शामिल है। महेश भट्ट द्वारा प्रस्तुत और सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वीर के साथ वरुण शर्मा नजर आएंगे, जो पहली बार नेगेटिव भूमिका में दिखाई देने की उम्मीद है। फिल्म का निर्माण रिद्धि चावड़ा और उत्सव उपाध्याय कर रहे हैं।

प्रेम कीटाणु और नाम टू लिव इज वॉर के जरिए वीर पहाड़िया दो बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया का हिस्सा बन रहे हैं। एक ओर जहां श्प्रेम कीटाणुच रोमांस, हास्य और युवा भारत की रोजमर्रा की वास्तविकताओं को सामने लाएगी, वहीं श्नाम दृ टू लिव इज वॉरच में उनका एक इंटेंस और रग्ड एक्शन अवतार देखने को मिलेगा।

स्काई फोर्सच के बाद इन दोनों फिल्मों की घोषणा वीर पहाड़िया के करियर के अगले चरण की ओर इशारा करती है, जहां अभिनेता किसी एक इमेज तक सीमित रहने के बजाय अलग–अलग जॉनर और किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

नवीन पली बेथलेहम कुडुंबा यूनिट ने बाक्स आफिस पर रचा इतिहास, 16 दिनों में 251 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों मलयालम फिल्म बेथलेहम कुडुंबा यूनिट शानदार प्रदर्शन कर रही है। नवीन पॉली अभिनीत इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म ने रिलीज के साथ ही दर्शकों के बीच मजबूत पकड़ बना ली और अब कमाई के मामले में कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए नया रिकॉर्ड कायम किया है। फिल्म ने 16 दिनों में भारत में 100 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध कारोबार कर लिया है, जबकि दुनियाभर में इसकी कमाई 250 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर चुकी है।

फिल्म की लगातार मजबूत कमाई ने इसे मलयालम सिनेमा की सबसे सफल फिल्मों की सूची में शामिल कर दिया है। उपलब्ध कारोबार आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म का दुनियाभर का सकल कारोबार 251.65 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

सैकनिल्क के अनुसार, बेथलेहम कुडुंबा यूनिट ने पहले दिन 4.90 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। पहले सप्ताह में फिल्म ने 52.30 करोड़ रुपये और दूसरे सप्ताह में 49.85 करोड़ रुपये कमाए।

तीसरे सप्ताह में भी फिल्म की रफ्तार कायम रही। 15वें दिन फिल्म ने 6.15 करोड़ रुपये, जबकि 16वें दिन शनिवार को 5.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही भारत में फिल्म का शुद्ध कारोबार बढ़कर 113.95 करोड़ रुपये हो गया।

फिल्म के कारोबार और मुनाफे की बात करें तो कोईमोई के अनुसार, बेथलेहम कुडुंबा यूनिट्च का निर्माण करीब 30 करोड़ रुपये के बजट में किया गया है। फिल्म ने विदेशों में लगभग 117 करोड़ रुपये और दुनियाभर में 251.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इस हिसाब से फिल्म ने अपने बजट के मुकाबले 738.83 प्रतिशत का मुनाफा कमाया है।

फिल्म की यह सफलता मलयालम सिनेमा के लिए भी खास मानी जा रही है, क्योंकि सीमित बजट में बनी फिल्म ने बड़े स्तर पर दर्शकों को आकर्षित किया है।

बेथलेहम कुडुंबा यूनिट्च अब मलयालम सिनेमा की तीसरी सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इस दौरान फिल्म ने वाझा 2, मंजुमल बॉय्च और दृ यम 3 जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है।

फिल्म की कमाई अभी भी जारी है और आने वाले दिनों में इसके कारोबार में और वृद्धि की उम्मीद जताई जा रही है।

इसी बीच यश की फिल्म टॉक्सिक का मलयालम बाजार में प्रदर्शन बेथलेहम कुडुंबा यूनिट की तुलना में कमजोर नजर आ रहा है।

सैकनिल्क के अनुसार, श्टॉक्सिकच ने मलयालम भाषा में 11 दिनों में महज 2.31 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

हालांकि, अन्य भाषाओं में फिल्म का प्रदर्शन बेहतर रहा है। इसके हिंदी संस्करण ने 147.35 करोड़ रुपये, कन्नड़ संस्करण ने 58.42 करोड़ रुपये, तमिल संस्करण ने 9.93 करोड़ रुपये और तेलुगु संस्करण ने 25.32 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

श्बेथलेहम कुडुंबा यूनिट्च का निर्देशन गिरिश एडी ने किया है। फिल्म में ममिता बैजू मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा संगीत प्रताप, श्याम मोहन, सुरेश कृष्णा और विनय फोर्ट सहित कई कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आ

रहे हैं।

फिल्म का निर्माण फहाद फासिल समेत अन्य निर्माताओं ने किया है। रोमांस और पारिवारिक भावनाओं पर आधारित इस फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। यही वजह है कि रिलीज के तीसरे सप्ताह में भी फिल्म की कमाई मजबूत बनी हुई है ।

साउथ सिनेमा अपनी जड़ों से जुड़ा, यही उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती नैला ग्रेवाल

बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साइंस–फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म राका में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं। अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने–बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने–बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है। नैला ग्रेवाल ने फिल्म राका की हिंट देते हुए कहा, आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है।

अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला।

उन्होंने कहा, राका भी बहुत बढिया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चौलेंज होता है। वह चौलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है।

एटली कुमार के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित साइंस–फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म राका में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और रिपोर्ट्स के अनुसार वह इसमें ट्रिपल रोल (तीन अलग–अलग किरदार) निभा सकते हैं। उनके साथ लीड रोल में दीपिका पादुकोण, रश्मिका मंदाना, जान्हवी कपूर, मृणाल ठाकुर और ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसे कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

यह फिल्म टाइम ट्रैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है। अल्लू अर्जुन के पहले लुक पोस्टर में उनका एक बहुत ही अलग और खतरनाक अंदाज (जंगली या वेयरवुल्फ जैसा लुक) देखने को मिला है।

बाक्स आफिस पर मिर्जापुर की दहाड़, हनुमान अंश ने 30वें दिन मारी सबसे बड़ी छलांग

लोकप्रिय वेब सीरीज मिर्जापुर के बहुप्रतीक्षित स्पिन–ऑफ मिर्जापुर द मूवी ने बड़े पर्दे पर अपनी शानदार शुरुआत से तहलका मचा दिया है। सीरीज के पुराने और दमदार किरदारों के साथ शुक्रवार को बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार शुरुआत की थी। पहले 2 दिनों में ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई करते हुए 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। उधर छोटे बजट में बनी फिल्म हनुमान अंश का भौकाल भी जारी है।बिना किसी बड़े सुपरस्टार के केवल दमदार किरदारों और जबरदस्त फैन फॉलोइंग के दम पर फिल्म ने पहले दिन 24.75 करोड़ रुपये की ओपनिंग की थी। इसके बाद शनिवार को फिल्म की कमाई में और बढ़िया उछाल देखने को मिला।सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे दिन फिल्म ने लगभग 31 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसी के साथ शुरुआती 2 दिनों के भीतर ही फिल्म की कुल घरेलू कमाई 56 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर चुका है।फिल्म की कमाई में मुख्य योगदान इसका हिंदी संस्करण है, जिसने 30.75 करोड़ रुपये बटोरे।फिल्म में पंकज त्रिपाठी कालीन भैया, अली फजल गुड्डू पंडित और दिव्येंदु मुन्ना त्रिपाठी जैसे लोकप्रिय कलाकारों ने फिर दर्शकों का दिल जीत लिया है।अमेजन एमजीएम स्टूडियो और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और इसे पुनीत कृष्ण ने लिखा है। फिल्म के निर्माता रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर हैं।उधर विशाल चर्तुवेदी के निर्देशन में बनी फिल्म हनुमान अंश ने बॉक्स ऑफिस पर सभी को हैरान करते हुए ऐतिहासिक सफलता हासिल की है।सैकनिल्क के मुताबिक, रिलीज के 30वें दिन फिल्म ने देशभर में 16.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस जबरदस्त रफ्तार के साथ फिल्म का भारत में कारोबार लगभग 99 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।